दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
वेलकम इंडिया
RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 197 | रविवार, 26 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

प्रधान का इस्तीफा मंजूर, प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार शाम श्री धर्मेंद्र प्रधान का मंत्रिमंडल से इस्तीफा स्वीकार कर लिया। उनकी जगह उपभोक्ता एवं खाद्य मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। श्री प्रधान ने आज अपराह्न शिक्षा मंत्री के पद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा भेजा था। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, श्रीमती मुर्मू ने प्रधानमंत्री की सलाह पर तत्काल प्रभाव से श्री प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री की सलाह पर श्री जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

श्री प्रधान 07 जुलाई 2021 से शिक्षा मंत्री के पद पर थे। नीट पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बैनर तले विद्यार्थियों के धरना-प्रदर्शन और विपक्षी दलों के दबाव के बीच श्री प्रधान ने अपने पद से त्यागपत्र दिया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आज दोपहर युवाओं के नाम पोस्ट किये गये एक पत्र में उन्होंने लिखा कि बच्चों के भविष्य और देश विरोधी ताकतों को मौजूदा परिस्थितियों का लाभ उठाने से रोकने के लिए उन्होंने त्यागपत्र दिया है।

उन्होंने पत्र में लिखा, जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ न उठाएं, देश की एकता बनी रहे, देश के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में न उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर फोकस करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र माननीय प्रधानमंत्री जी को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए यह व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। पिछले 10 दिन का घटनाक्रम देखकर उनका मन दुःखी है। युवाशक्ति को देश की असली ताकत बताते हुए उन्होंने कहा कि वह युवाओं को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं देंगे। उन्होंने मंत्रिमंडल में मार्गदर्शन, विश्वास और निरंतर सहयोग के लिए श्री मोदी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि वह राष्ट्रसेवा के लिए सदैव समर्पित रहेंगे।

नीट पेपर लीक मुद्दे पर श्री प्रधान ने कहा कि उन्होंने पहले दिन से ही जिम्मेदारी ली है और कभी परिस्थिति से मुंह नहीं मोड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक के बाद कई छात्रों को गुमराह करने के लिए जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने बाधा डालने की कोशिश की।

उन्होंने लिखा, मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि गत 03 मई को नीट परीक्षा में अनियमितता की बात सामने आने के बाद सरकार ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया तथा पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गयी। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को कंप्यूटर आधारित मोड में करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि नीट की पुनर्परीक्षा के लिए पूरी सरकार ने मिलकर काम किया और राज्य सरकारों, विशेषकर जिला प्रशासन, छात्रों तथा अभिभावकों के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई और 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली। उन्होंने

सीजेपी ने खत्म किया आंदोलन, सरकार से बनी सहमति

कॉकरोच जनता पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह से मुलाकात की और बातचीत का तीसरा दौर पूरा किया। यह मुलाकात नीट पेपर लीक को लेकर हो रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद हुई है। केंद्रीय मंत्री और सीजेपी डेलिगेशन ने इसके बाद जॉइंट पीसी की। इसके बाद सीजेपी डेलिगेशन ने जंतर-मंतर पर अपना प्रदर्शन खत्म करने का ऐलान कर दिया है। कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रंका ने कहा कि हमने सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के तीन दौर किए। जंतर-मंतर पर कई दिनों से चल रहे हमारे विरोध प्रदर्शन की तीन मुख्य मांगें थीं : धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के खिलाफ दर्ज सभी कानूनी मामले औरएफआईआर वापस ली जाएं, और भविष्य में प्रदर्शनकारियों या आयोजकों के खिलाफ कोई मामला दर्ज न किया जाए। और हमारी तीसरी मांग उन परिवारों के लिए 1 करोड़ रुपये का मुआवजा थी जिन्होंने ठएएळ पेपर न हो पाने के बाद अपने प्रियजनों को खो दिया। अभी कुछ देर पहले ही धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। इसका मतलब है कि हमारी पहली मांग मान ली गई है। मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि हमारी दूसरी मांग यह थी कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जाएं – न सिर्फ दिल्ली में, बल्कि बीजेपी शासित और बीजेपी के सहयोगी दलों वाले सभी राज्यों में भी।

उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकताः योगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। 24 जुलाई उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी श्रावण मास, कांवड़ यात्रा और विभिन्न पर्वों के मद्देनजर अधिकारियों को आगाह करते हुए शुक्रवार को कहा कि इस दौरान प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा, सुविधा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है। आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था, यातायात, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा और जनसुविधाओं की ऐसी व्यवस्था दिखाई देनी चाहिए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। एक आधिकारिक बयान के अनुसार शुक्रवार देर शाम मुख्यमंत्री ने शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की।

प्रदेश के सभी पुलिस आयुक्तों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों से संवाद करते हुए उन्होंने श्रावण मास के दौरान आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा, श्रावणी शिवरात्रि, चेहल्लुम, स्वतंत्रता दिवस, बरावफात और रक्षाबंधन को लेकर कानून व्यवस्था, सुरक्षा, चिकित्सा, स्वच्छता, यातायात, आपदा प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया। बैठक में अपर मुख्य सचिव, गृह ने तैयारियों की जानकारी दी, जबकि मंडलायुक्त मेरठ और एडीजी जोन मेरठ ने कांवड़ यात्रा प्रबंधन का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। आदित्यनाथ ने कहा कि सौहार्द बिगाड़ने, अफवाह फैलाने, मिलावट, अव्यवस्था या अराजकता पैदा करने का प्रयास करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए और प्रशासन पूरे आयोजन के दौरान पूरी सजगता तथा संवेदनशीलता के साथ कार्य करे।

मुख्यमंत्री ने मेरठ जोन की तैयारियों और कार्ययोजना को प्रदेश के अन्य सभी पुलिस जोन के साथ साझा करने के निर्देश दिए, ताकि पूरे प्रदेश में एक समान और प्रभावी व्यवस्था लागू की जा सके।

एनसीआर प्रदूषण को रोकने के लिए हरियाणा में नो पीयूसी-नो फ्यूल नियम, मुख्यमंत्री सैनी का सख्त एक्शन प्लान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार प्रदूषण को नियंत्रण के लिए बड़ा प्लान बना रही है। बीते शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण कंट्रोल के लिए गुरुग्राम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में वायु गुणवत्ता सुधार से जुड़े सभी प्रमुख मुद्दों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को तय सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश दिए गए हैं। विशेष जोर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सीएएक्यूएमएस) के विस्तार, 'नौ पीयूसीसी-नो फ्यूल' व्यवस्था, पुराने प्रदूषणकारी वाहनों पर कार्रवाई, ईवी चार्जिंग नेटवर्क बढ़ाने, निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट प्रबंधन, ठोस कचरा निस्तारण और औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण पर रहा है।

नई ईवी निति और चार्जिंग नेटवर्क पर होगा जोर

आपको बताते चलें कि,

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े प्रत्येक एजेंडा पर समयबद्ध और प्रभावी अमल सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ट्रैफिक जाम वाले हाटस्पाट की नियमित निगरानी, सड़क पुनर्विकास, इलेक्ट्रिक बसों के विस्तार और चार्जिंग स्टेशनों के नेटवर्क को तेजी से विकसित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा सरकार अपकमिंग कैबिनेट बैठक में नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति लेकर आए, जिससे एनसीआर समेत पूरे प्रदेश में स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा मिलेगा।

हरित चौराहे और धूल नियंत्रण पर होगा काम

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुग्राम, फरीदाबाद और सोनीपत समेत एनसीआर के कई मुख्य चौक-चौराहों के हरित क्षेत्र के रुप में विकसित करने, नियमित डीप क्लीनिंग, गड्ढे भरने और पौधारोपण के जरिए पीएम-10 और धूल प्रदूषण कम करने के निर्देश जारी किए हैं। बता दें कि, अधिकारियों को एक महीने के अंदर सभी मुख्य स्थलों की पहचान करके कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है। सीएम ने राजीव चौक मॉडल की तर्ज पर सभी प्रमुख यातायात स्थलों को भी हरित स्वरुप देने पर जोर दिया।

ट्रैफिक और पराली पर बनाएं विशेष रणनीति

इतना ही नहीं, इस बैठक में गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत और बहादुरगढ़ सहित एनसीआर के सभी ट्रैफिक जाम हाटस्पाट का वैज्ञानिक विश्लेषण कर स्थाई समाधन तैयार करने के निर्देश जारी किए है। दूसरी ओर, पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन, कृषि विभाग और जनप्रतिनिधियों के समन्वय से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने और लक्ष्य आधारित कार्ययोजना लागू करने पर सहमति जताई है।

नाबालिग की बुआ पर दर्ज पॉक्सो केस रद्द, वैवाहिक विवाद में ससुराल पक्ष को घसीटने पर क्या कहा?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े मामलों में ससुराल पक्ष के लोगों को बदला लेने के लिए आपराधिक मामलों में घसीटे जाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामले अक्सर व्यक्तिगत रंजिश निकालने का जरिया बन जाते हैं, जिसमें मासूम लोगों को बेवजह फंसाया जाता है। अदालत ने एक नाबालिग की बुआ के खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामला रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। बच्चे के माता-पिता के बीच लंबे समय से वैवाहिक विवाद चल रहा है। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने मामले को रद्द करने से इनकार करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले की भी आलोचना की। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री की जांच किए बिना ही याचिका खारिज कर दी। 23 जुलाई को दिए अपने आदेश में पीठ ने कहा, 'वैवाहिक विवाद से जुड़े मामलों में हिसाब बराबर करने के लिए ससुराल पक्ष के लोगों को आपराधिक मामलों में घसीटना अब आम ही नहीं, बल्कि एक तरह से परंपरा बन गई है। अक्सर बच्चों का इस्तेमाल भी एक-दूसरे को बदनाम करने के लिए किया जाता है। लेकिन इस मामले में तलाकशुदा मां की ओर से लगाए गए ये आरोप चौंकाने वाले हैं कि उसके बेटे का उसकी बुआ लगातार यौन उत्पीड़न करती रही।' पीठ ने कहा कि यह एफआईआर तलाकशुदा पिता की ओर से पहले दर्ज कराई गई एफआईआर की जवाबी कार्रवाई प्रतीत होती है। उस एफआईआर में भी इसी तरह के गंभीर आरोप लगाए गए थे। हालांकि वह मामला लड़के की जुड़वां बहन के संबंध में उसके मामा के खिलाफ था। सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2023 में आपसी सहमति से हुए तलाक के आदेश का अवलोकन किया। अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता जुड़वां बच्चों की पैतृक बुआ हैं। बच्चों के पिता, जो उनके भाई हैं, का तलाक हो चुका है। पीठ ने कहा कि बच्चे फिलहाल पिता की अभिरक्षा में हैं और मां को उनसे मिलने का अधिकार दिया गया है। मां का आरोप था कि उसका बेटा तब भी यौन उत्पीड़न की शिकायत करता था, जब वह वैवाहिक घर में रह रही थी। उसने यह भी दावा किया कि उसने ऐसी एक घटना खुद देखी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तलाक की कार्यवाही के दौरान ऐसा कोई आरोप नहीं लगाया गया था और न ही 17 मार्च 2024 को दर्ज एफआईआर से पहले कभी कोई शिकायत की गई। यह एफआईआर पिता की ओर से दर्ज समान प्रकृति की एफआईआर के कुछ घंटे बाद दर्ज कराई गई थी। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया एफआईआर भरोसा पैदा नहीं करती। अपीलकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता सना रईस खान ने दलील दी कि यह अभियोजन आपराधिक न्याय प्रणाली के दुरुपयोग का स्पष्ट उदाहरण है और इसे केवल बच्चों की अभिरक्षा को लेकर चल रहे विवाद में निजी रंजिश निकालने के लिए शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि आरोप तभी सामने आए, जब पिता ने ननिहाल पक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। इससे स्पष्ट है कि शिकायत बाल यौन उत्पीड़न के वास्तविक खुलासे के बजाय प्रतिशोध की भावना से दर्ज कराई गई। खान ने यह भी कहा कि आरोप लगाने में असामान्य देरी हुई और वे न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत दर्ज नाबालिग के बयान से भी मेल नहीं खाते। उन्होंने पीठ से कहा कि दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज होने का यह मतलब नहीं है कि अदालत किसी मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से जांच करने के अपने दायित्व से पीछे हट जाए या यह न देखे कि क्या प्रथम दृष्टया कोई अपराध बनता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने शुरूआती चरण में रिकॉर्ड देखने के बाद कार्यवाही पर रोक लगाई थी। उस पीठ ने प्रथम दृष्टया माना था कि मां की ओर से दर्ज शिकायत में कोई दम नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा, 'यह भी विशेष रूप से दर्ज किया गया था कि प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत दर्ज पीड़ित बालक के बयान से यह संकेत मिलता है कि वास्तविक शिकायतकर्ता की ओर से बताए गए प्रकार का कोई हमला नहीं हुआ था।' पीठ ने कहा कि बाद में मामले की सुनवाई करने वाली हाईकोर्ट की खंडपीठ को रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री पर गौर करना चाहिए था, खासकर तब जब दूसरी खंडपीठ अंतरिम आदेश में प्रथम दृष्टया यह कह चुकी थी कि आरोप टिक नहीं सकते।

जंतर मंतर प्रोटेस्ट का पाकिस्तान कनेक्शन सामने आया ! दिल्ली पुलिस ने प्रेस कांफ्रेंस में किये कई बड़े खुलासे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर पिछले कई सप्ताह से चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे दुष्प्रचार पर दिल्ली पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, जांच में ऐसे 400 से अधिक पाकिस्तान-संचालित सोशल मीडिया हैंडल सामने आए हैं, जिन्हें अक-जनित फर्जी सामग्री, डीपफेक वीडियो, एडिटेड तस्वीरें और भ्रामक पोस्ट फैलाने के आरोप में ब्लॉक किया जा चुका है।

दिल्ली पुलिस के डीसीपी (सेंट्रल) रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि जांच के दौरान यह भी सामने आया कि पाकिस्तान से संचालित कई सोशल मीडिया अकाउंट जंतर-मंतर प्रदर्शन से जुड़ी झूठी और भ्रामक सामग्री को सुनियोजित तरीके से वायरल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर ऐसे और खातों की पहचान करने में लगातार जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार, अब तक 400 से अधिक ऐसे हैंडल ब्लॉक किए जा चुके हैं, जो अक-निर्मित कंटेंट, डीपफेक वीडियो, एडिटेड फोटो और अन्य भ्रामक सामग्री के जरिए लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया कि इनमें से कुछ हैंडल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी फर्जी सूचनाएं फैलाने में सक्रिय थे। इतना ही

नहीं, इन अकाउंट्स पर कई वरिष्ठ अधिकारियों के आधिकारिक बयानों को एडिट कर गलत तरीके से पेश करने और दृश्य सामग्री से छेड़छाड़ करने के आरोप भी सामने आए हैं। डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने लोगों से सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली हर पोस्ट पर आंख मूंदकर भरोसा न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोई भी वीडियो, फोटो या पोस्ट केवल वायरल होने भर से सत्य नहीं हो जाती। किसी भी जानकारी पर विश्वास करने या उसे आगे साझा करने से पहले उसकी तथ्य-जांच करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रख रही है और अपने आधिकारिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से फेक न्यूज, अक-आधारित दुष्प्रचार, डीपफेक वीडियो, एडिटेड क्लिप और भ्रामक पोस्ट से जुड़ी सही जानकारी साझा कर रही है, ताकि लोग सच और झूठ के बीच स्पष्ट अंतर कर सकें। देखा जाये तो जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के बीच सामने आए ये खुलासे इस बात की गंभीर चेतावनी हैं कि डिजिटल दौर में दुष्प्रचार का हथियार पहले से कहीं अधिक खतरनाक हो चुका है। ऐसे में केवल वायरल सामग्री के आधार पर राय बनाना या उसे आगे बढ़ाना न केवल भ्रम फैलाने का माध्यम बन सकता है, बल्कि समाज और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी चुनौती पैदा कर सकता है। इसलिए दिल्ली पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल सत्यापित और आधिकारिक स्त्रोतों पर भरोसा करें तथा किसी भी संदिग्ध सामग्री को साझा करने से पहले उसकी पुष्टि अवश्य करें। हम आपको यह भी बता दें कि कॉकरोच जनता पार्टी ने भी दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोले सोनम वांगचुकः लोकतंत्र की जीत, अब जवाबदेही से सुधार की ओर बढ़ो

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का स्वागत करते हुए इसे लोकतंत्र की जीत बताया और देश से जवाबदेही से सुधार की ओर बढ़ने का आग्रह किया। प्रधान ने शनिवार को अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि यह फैसला छात्रों के भविष्य की रक्षा करने और दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं के बड़े विरोध-प्रदर्शन का फायदा उठाने की कोशिश कर रही राष्ट्र-विरोधी ताकतों को रोकने के मकसद से लिया गया है। यह कदम केंद्र और कॉकरोच जनता पार्टी के बीच बातचीत के तीसरे दौर से कुछ घंटे पहले उठाया गया; उखढ का कहना था कि प्रधान का इस्तीफा बिना किसी समझौते के होना चाहिए। इस घोषणा के बाद जंतर-मंतर पर जश्न मनाया गया, जहाँ वांगचुक प्रदर्शनकारियों के साथ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे। अपनी पहली प्रतिक्रिया में, वांगचुक ने इस घटनाक्रम को सीधे सड़कों से निकली... प्रत्यक्ष लोकतंत्र की जीत बताया और आंदोलन के शांतिपूर्ण स्वरूप की तारीफ की।

संपादक की कलम से

जब नारों में गालियाँ उतर आएँ

लोकतंत्र की सबसे सुंदर पहचान यह है कि यहाँ असहमति को अपराध नहीं माना जाता। यहाँ प्रश्न पूछना विद्रोह नहीं, बल्कि जागरूक नागरिक होने का प्रमाण है। सड़कों पर उतरकर अपनी बात कहना, सत्ता से जवाब माँगना और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना लोकतंत्र की आत्मा है। लेकिन वही आत्मा तब घायल होने लगती है जब नारों में विचारों की जगह गालियाँ उतर आती हैं, जब विरोध का स्वर मयार्दा छोड़कर अपमान का रूप धारण कर लेता है और जब क्रांति की भाषा सभ्यता से विमुख होकर कटुता की भाषा बन जाती है। नारा केवल कुछ शब्दों का समूह नहीं होता। वह किसी आंदोलन का चेहरा होता है, उसकी आत्मा का स्वर होता है। आने वाली पीढ़ियाँ आंदोलनों को उनके नारों से याद करती हैं। 'इंकलाब ज़िंदाबाद', 'करो या मरो', 'जय जवान, जय किसान' जैसे नारे इसलिए अमर हुए क्योंकि उनमें किसी व्यक्ति का अपमान नहीं था, बल्कि एक विचार, एक संकल्प और एक युग की पुकार थी। शब्द जब उद्देश्य से जुड़ते हैं तो इतिहास बनते हैं, और जब वे केवल अपमान का माध्यम बन जाते हैं तो क्षणिक शोर से अधिक कुछ नहीं रह जाते। आज का समय शोर का समय है।

ललित शर्मा
संपादक

सोशल मीडिया ने हर आवाज को मंच दिया है, लेकिन साथ ही हर उत्तेजना को भी विस्तार दिया है। अब जो सबसे अधिक तीखा बोलता है, वही सबसे अधिक सुना जाता है। संयम को कमजोरी और शालीनता को निष्क्रियता समझने की भूल बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि कई आंदोलनों में तर्कों की जगह ताने, संवाद की जगह व्यंग्य और विरोध की जगह गालियाँ सुनाई देने लगी हैं। यह केवल भाषा का पतन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कारों का क्षरण है। गाली कभी भी विचार का विकल्प नहीं हो सकती। जिसके पास तर्क समाप्त हो जाते हैं, वह अक्सर अपशब्दों का सहारा लेता है। विचारों की लड़ाई में भाषा जितनी ऊँची होगी, आंदोलन उतना ही ऊँचा उठेगा। लेकिन यदि भाषा ही गिर जाए तो सबसे बड़ा उद्देश्य भी अपनी गरिमा खो देता है। किसी भी आंदोलन की नैतिक शक्ति उसके नारों की ऊँचाई से नहीं, बल्कि उसकी भाषा की गरिमा से मापी जाती है। भारतीय सभ्यता ने वाणी को तप कहा है। हमारे ऋषियों ने कहा कि शब्द बाण भी बन सकते हैं और मरहम भी। वे समाज को जोड़ भी सकते हैं और तोड़ भी सकते हैं। इसलिए वाणी पर संयम को चरित्र का आभूषण माना गया। राजनीति यदि समाज का दर्पण है तो आंदोलनों की भाषा उस दर्पण का प्रतिबिंब है। यदि प्रतिबिंब में केवल कटुता दिखाई दे रही है, तो यह केवल आंदोलन की नहीं, पूरे समाज की चिंता है। यह भी सत्य है कि हर आंदोलन में हजारों-लाखों लोग होते हैं। कुछ व्यक्तियों के अनुचित व्यवहार से पूरे आंदोलन का मूल्यांकन उचित नहीं होगा। किंतु नेतृत्व की परीक्षा भी ऐसे ही क्षणों में होती है। भीड़ को दिशा देना केवल मंच से भाषण देने का कार्य नहीं, बल्कि उसकी भाषा को मर्यादित रखना भी नेतृत्व की जिम्मेदारी है। जो नेतृत्व अपमानजनक नारों पर मौन रहता है, वह अनजाने में उन्हें स्वीकार भी कर लेता है। इतिहास बताता है कि सबसे प्रभावशाली आंदोलनों ने अपने विरोधियों को भी गरिमा से संबोधित किया। महात्मा गांधी का संघर्ष ब्रिटिश शासन के विरुद्ध था, ब्रिटिश जनता के विरुद्ध नहीं। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने तीखे मतभेदों के बावजूद संवैधानिक भाषा नहीं छोड़ी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने व्यवस्था परिवर्तन की बात की, व्यक्तियों के अपमान की नहीं। यही कारण है कि उनके आंदोलनों की स्मृति सम्मान के साथ जीवित है। आज आवश्यकता केवल सरकारों को बदलने की नहीं, बल्कि सार्वजनिक संवाद की भाषा को बचाने की है।

छात्र आंदोलन का अपहरण: अधिकारों की लड़ाई से राजनीतिक स्वार्थ तक

एन0के0शर्मा
लेखक

छात्र आंदोलन किसी भी लोकतंत्र की धड़कन होता है। वह समाज का वह युवा विवेक है, जो अन्याय को स्वीकार करने से पहले प्रश्न करता है, सत्ता के सामने सिर झुकाने से पहले जवाब मांगता है और भविष्य को केवल देखने के बजाय उसे बदलने का साहस रखता है। इतिहास गवाह है कि जब-जब व्यवस्था जड़ हुई, जब-जब सत्ता ने नागरिकों की आवाज दबाई और जब-जब लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित होने लगा—तब-तब विश्वविद्यालयों और छात्र परिसरों से परिवर्तन की पहली चिंगारी उठी।

लेकिन आज एक बेहद असहज प्रश्न हमारे सामने है—क्या छात्र आंदोलन अब भी छात्रों का आंदोलन रह गया है? या फिर अधिकारों, शिक्षा, रोजगार, फीस, छात्रवृत्ति और भविष्य की लड़ाई के नाम पर उठने वाली युवा आवाज का राजनीतिक अपहरण हो चुका है? यह सवाल किसी एक दल या विचारधारा के विरुद्ध नहीं, बल्कि उस पूरी राजनीतिक संस्कृति के विरुद्ध है जिसने युवा असंतोष को अपने स्वार्थ की कच्ची मिट्टी समझ लिया है। छात्र आगे खड़े होते हैं, नारे लगाते हैं, पुलिस की लाठियां खाते हैं, मुकदमे झेलते हैं और अपने भविष्य को दांव पर लगाते हैं; जबकि उनके पीछे खड़े राजनीतिक संरक्षक अक्सर सुर्खियां, वोट और सत्ता का लाभ बटोरते हैं। यहीं से अधिकारों की लड़ाई धीरे-धीरे राजनीतिक स्वार्थ का औजार बन जाती है। किसी भी आंदोलन की सबसे बड़ी शक्ति उसकी स्वायत्तता होती है। जब आंदोलन अपने मुद्दे स्वयं तय करता है, जब उसका नेतृत्व छात्रों की सामूहिक चेतना से निकलता है और जब वह सत्ता तथा विपक्ष—दोनों से स्वतंत्र होकर प्रश्न पूछता है, तभी वह वास्तविक जनआंदोलन बनता है। लेकिन जैसे ही राजनीतिक दल छात्र असंतोष में अपने लिए अवसर तलाशने लगते हैं, आंदोलन की दिशा बदलने लगती है। फीस, बेरोजगारी, छात्रवृत्ति, परीक्षा, हॉस्टल और शिक्षा की गुणवत्ता जैसे वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और राजनीतिक झंडे, नारे तथा दलगत एजेंडे आगे आ जाते हैं। अंततः छात्र का मूल प्रश्न भीड़ के शोर में खो जाता है। आंदोलन चलता रहता है—पर छात्र पीछे छूट जाता है। आज विकास और निर्माण के नाम पर राजनीति ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। सड़कें, एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारे, स्मार्ट शहर, विश्वविद्यालय, मेगा प्रोजेक्ट और विशाल निर्माण—इन सबके साथ भविष्य का चमकदार सपना प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन इस चमक के पीछे छिपे प्रश्न अक्सर अनुत्तरित रह जाते हैं—किसकी भूमि गई? किसे विस्थापित किया गया? किसे मुआवजा मिला? किसे रोजगार मिला? किसकी आवाज दबाई गई? किस कीमत पर यह विकास हुआ? जब छात्र इन प्रश्नों को उठाते हैं, तो सत्ता उन्हें “विकास विरोधी” कह देती है। दूसरी ओर विपक्ष उनके असंतोष को अपने राजनीतिक अभियान में बदलने का प्रयास करता है। सत्ता विकास का मुखौटा पहनती है, विपक्ष जनसंघर्ष का—और इनके बीच असली पीड़ित वही छात्र होता है, जिसकी समस्या वहीं खड़ी रहती है। उसकी फीस कौन घटाएगा? उसकी छात्रवृत्ति कब मिलेगी? उसे रोजगार कब मिलेगा? उसका भविष्य किसके घोषणापत्र में है? इन सवालों के जवाब अक्सर नारों में दब जाते हैं। यह समझना आवश्यक है कि विकास का

विरोध और विकास की आलोचना दो अलग बातें हैं। किसी परियोजना की पारदर्शिता, पर्यावरणीय प्रभाव, विस्थापन, रोजगार और सामाजिक न्याय पर प्रश्न उठाना प्रगति का विरोध नहीं है। बल्कि लोकतांत्रिक विकास की पहली शर्त ही यह है कि विकास जनता के लिए हो, जनता पर थोपे जाने के लिए नहीं। वह विकास कैसा विकास है, जिसमें चमकती इमारतें तो बनती हैं, लेकिन नागरिकों का भविष्य टूट जाता है? वह निर्माण कैसा निर्माण है, जिसमें कंक्रीट बढ़ता है, लेकिन लोकतांत्रिक संवाद ढह जाता है? वह प्रगति कैसी प्रगति है, जिसमें आंकड़े ऊपर जाते हैं, लेकिन युवाओं की आशाएं नीचे गिरती हैं? छात्र आंदोलन का राजनीतिक अपहरण केवल राजनीतिक दलों की समस्या नहीं है। छात्र संगठनों को भी आत्ममंथन करना होगा। क्या वे वास्तव में छात्रों की आवाज हैं या किसी राजनीतिक दल का युवा विस्तार? क्या वे अपने राजनीतिक संरक्षकों से असहमति का साहस रखते हैं? क्या वे सत्ता पक्ष के छात्रों की समस्याओं को भी उतनी ही ईमानदारी से उठाते हैं जितनी विपक्ष समर्थित छात्रों की? क्या आंदोलन समाप्त होने के बाद भी वे छात्रों के साथ खड़े रहते हैं? यदि उत्तर “नहीं” है, तो वह छात्र आंदोलन नहीं, राजनीतिक विस्तार मात्र है। दुर्भाग्य यह है कि छात्र राजनीति का एक बड़ा हिस्सा स्वतंत्र विचार के बजाय दलगत अनुशासन और व्यक्तिपूजा का शिकार होता जा रहा है। छात्र नेता अपने विश्वविद्यालय की समस्याओं से अधिक बड़े नेताओं की भाषा बोलते हैं। वे पुस्तकालय, प्रयोगशाला, रोजगार और शिक्षा की गुणवत्ता से अधिक राजनीतिक नारों में दिखाई देते हैं। राजनीति को प्रश्न पूछने वाला छात्र कम और नारे लगाने वाला छात्र अधिक सुविधाजनक लगता है। नारा लगाना आसान है। प्रश्न पूछना कठिन। झंडा उठाना आसान है। तथ्यों को समझना कठिन। भीड़ में शामिल होना आसान है। अकेले सच बोलना कठिन। और सत्ता को सबसे अधिक भय उस छात्र से लगता है, जो किसी भी दल से स्वतंत्र होकर प्रश्न पूछता है। यही कारण है कि छात्र आंदोलनों को अक्सर राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार दिशा देने लगते हैं। आंदोलनकारी छात्रों को मंच मिलता है, मीडिया में पहचान मिलती है, राजनीतिक संपर्क मिलते हैं और कई बार यही संघर्ष व्यक्तिगत राजनीतिक करियर की सीढ़ी बन जाता है। आज ो छात्र व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष करत ा है, कल उसी व्यवस्था का हिस्सा बन र अपने पुराने सवाल भूल सकता है। आंदोलन की आग धीरे-धीरे सत्ता के वातानुकूलित कमरों में ठंडी हो जाती है। और जिन छात्रों ने संघर्ष किया था, वे फिर उसी बेरोजगारी, उसी महंगाई, उसी भ्रष्टाचार और उसी अन्याय के सामने खड़े रह जाते हैं। यही आंदोलन की सबसे बड़ी त्रासदी है। लोकतंत्र में छात्र राजनीति आवश्यक है। युवाओं को राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार करना चाहिए, नीतियों पर बहस करनी चाहिए और सत्ता से प्रश्न पूछने चाहिए। लेकिन छात्र किसी दल के प्रचारक नहीं, लोकतंत्र के स्वतंत्र नागरिक हैं। वे किसी विचारधारा से सहमत हो सकते हैं, किसी दल का समर्थन कर सकते हैं, लेकिन उन्हें अंध-समर्थक नहीं बनना चाहिए। जिस दिन छात्र अपने प्रिय नेता से भी प्रश्न पूछना बंद कर देता है, उसी दिन उसकी राजनीतिक चेतना समाप्त होने लगती है। आज आवश्यकता है कि छात्र आंदोलन अपने भीतर आत्मशुद्धि का अभियान शुरू करें। हर आंदोलन को यह स्पष्ट करना होगा कि उसका मूल मुद्दा क्या है, उसके तथ्य क्या हैं, उसकी मांगें क्या हैं और समाधान का रास्ता क्या है। केवल नारे समाधान नहीं होते। केवल विरोध नीति नहीं होता। केवल वायरल वीडियो परिवर्तन नहीं लाता। आंदोलन को भावनात्मक ऊर्जा के साथ-साथ तथ्य, दस्तावेज, वैकल्पिक नीति और दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता होती है। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि विश्वविद्यालयों को सत्ता की प्रयोगशाला बनाना लोकतंत्र के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। छात्र संगठनों को राजनीतिक चेतना के केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है, लेकिन उन्हें दलगत भर्ती केंद्र बना देना शिक्षा और लोकतंत्र दोनों का अवमूल्यन है। किसी छात्र के कंधे पर हाथ रखकर तस्वीर खिंचवाना आसान है। उसकी फीस भरना कठिन। उसके लिए रोजगार नीति बनाना कठिन। उसकी छात्रवृत्ति समय पर पहुंचाना कठिन। विश्वविद्यालय में पारदर्शिता सुनिश्चित करना कठिन। लेकिन राजनीति ने अक्सर आसान रास्ता चुना है—समस्या का समाधान नहीं, समस्या पर राजनीति। यही राजनीति का वीभत्स चेहरा है। छात्रों को यह समझना होगा कि हर मंच जो उन्हें माइक देता है, उनके हित में नहीं होता। हर नेता जो उनके साथ तस्वीर खिंचवाता है, उनके भविष्य के लिए संघर्षरत नहीं होता। हर राजनीतिक समर्थन आंदोलन की ताकत नहीं होता—कभी-कभी वह आंदोलन की स्वतंत्रता की कीमत भी हो सकता है। छात्र आंदोलन को राजनीतिक समर्थन मिल सकता है, लेकिन राजनीतिक स्वामित्व नहीं। यही लोकतांत्रिक आंदोलन और राजनीतिक अभियान के बीच की अंतिम सीमा है। आज छात्र को फिर से अपने आंदोलन को वापस लेना होगा—राजनीति से नहीं, राजनीतिक स्वार्थ से; विचारधारा से नहीं, विचारधारात्मक अंधता से; विकास से नहीं, विकास के नाम पर होने वाले छल से; विरोध से नहीं, विरोध के राजनीतिक व्यापार से। उसे कहना होगा– 'हम किसी दल की भीड़ नहीं हैं।' 'हम किसी नेता की राजनीतिक सीढ़ी नहीं हैं।' 'हम किसी सत्ता के प्रचारक नहीं हैं।' 'हम नागरिक हैं।' और नागरिक जब प्रश्न पूछता है, तो लोकतंत्र जीवित होता है। जब छात्र प्रश्न पूछता है, तो भविष्य जीवित होता है। लेकिन जब छात्र की आवाज का अपहरण कर लिया जाता है, जब उसकी पीड़ा को राजनीतिक लाभ में बदल दिया जाता है और जब उसके संघर्ष को सत्ता तथा विपक्ष की शतरंज में मोहरा बना दिया जाता है—तब केवल एक आंदोलन नहीं मरता। तब लोकतंत्र का भविष्य घायल होता है। इसलिए आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि छात्र किसके साथ खड़े हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि छात्र अपने साथ कब खड़े होंगे? क्योंकि जिस दिन छात्र अपने अधिकारों, अपने विवेक और अपने भविष्य के साथ खड़ा हो गया, उस दिन राजनीति को उसके कंधों पर चढ़कर सत्ता तक पहुंचने की आवश्यकता नहीं रहेगी। उस दिन राजनीति को छात्रों के पीछे चलना पड़ेगा। और शायद वही दिन होगा, जब विकास का मुखौटा उतरेगा, राजनीति का वास्तविक चेहरा जनता के सामने आएगा और छात्र आंदोलन फिर से अपने मूल अर्थ में लौटेगा—अधिकारों, सत्य, न्याय और लोकतंत्र की स्वतंत्र आवाज बनकर।

आँसू पानी नहीं, भावनाओं की गहरी जुबान हैं

किशन भावनानीं

कविता

आँसू केवल पानी नहीं, मन की गहरी जुबान हैं
इनमें छिपे अनकहे दर्द, जीवन की सच्ची पहचान हैं
एक बूँद में सागर जितनी संवेदनाएँ समाई रहती हैं
इसीलिए ये दुनियाँ की सबसे अनमोल निशानियाँ हैं

जब किसी की पलकों से चुपचाप मोती ढलते हैं
तब शब्द नहीं, दिल के घायल अध्याय खुलते हैं
मुस्कानों के पीछे कितने तूफान छिपे होते हैं
यह बात वही समझे, जो रिश्तों को सच में पढ़ते हैं

किसी के आँसू का कारण बनना सबसे बड़ा अपराध है
करुणा और प्रेम ही मानवता का सच्चा संवाद है
बोलो ऐसे शब्द कि दिलों में मरहम उतर जाए
कटु वचन से बचना ही जीवन का सबसे बड़ा प्रसाद है

बोलने से पहले सौ बार मन में विचार जगाइए
अपने व्यवहार से हर चेहरे पर विश्वास सजाइए
यदि किसी की आँखों में मुस्कान खिला सकते हों
तो आँसुओं की जगह खुशियों का दीप जलाइए

याद रखो, आँसू में केवल एक प्रतिशत जल नहीं बहता,
निन्यानवे प्रतिशत पीड़ा और भावनाओं का दर्द ही रहता
किशन हर हृदय को सम्मान और अपनापन दीजिए,
किसी के आँसू नहीं, उसकी मुस्कान का कारण बनिए।

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा: क्या परीक्षा व्यवस्था में जवाबदेही के नए दौर की शुरूआत?

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत सहित पूरी दुनियाँ की नजरें लगी हुई थी, सबके मन में एक ही बात थी कि क्या भारतीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा देंगे ?इसका जवाब 25 जुलाई 2026 को दोपहर के बाद में मिल गया 'देर कर दी मेहरबाँ आते-आते, मगर आए तो सही।' यह पंक्ति भारतीय राजनीति और शिक्षा व्यवस्था पर सबसे अधिक लागू होती दिखाई दी।देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, लाखों छात्रों के भविष्य पर उठे सवाल, जंतर -मंतर पर लंबे समय तक चले आंदोलन, संसद के मानसून सत्र में लगातार गतिरोध और देश-विदेश तक गूंजे विरोध के बाद केंद्रीय शिक्षामंत्री ने पीएम को अपना इस्तीफा सौंप दिया।यह वर्तमान भारतीय प्रधानमंत्री के 12 वर्षों के कार्यकाल में जनदबाव के बाद किसी वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे की सबसे बड़ी राजनीतिक घटनाओं में से एक माना जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह तथ्य सबको याद दिलाना चाहूंगा कि भारतीय लोकतंत्र में नैतिक जवाबदेही का सबसे चर्चित उदाहरण आज भी पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का माना जाता है। वे रेल मंत्री रहते हुए 23 नवंबर 1956 को तमिलनाडु के अरियालुर रेल हादसे के बाद नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे बैठे थे। उस दुर्घटना में 140 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी।यद्यपि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पहले इस्तीफा स्वीकार करने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन अंततःशास्त्री का त्यागपत्र स्वीकार किया गया और यह भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक जवाबदेही का ऐतिहासिक उदाहरण बन गया।आज धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा संसद से सड़क तक बड़े आंदोलनों के बाद हुआ?, हालांकि परिस्थितियां और राजनीतिक संदर्भ अलग हैं।इस्तीफे के तुरंत बाद सरकार और सीजेपी प्रतिनिधियों के बीच संविधान क्लब में वार्ता हुई।उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों पर चर्चा हुई। सीजेपी द्वारा प्रमुख रूप से तीन मांगें उठाई गई थीं आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को आर्थिक सहायता, आंदोलन में शामिल छात्रों पर कोई दंडात्मक कार्रवाई न हो तथा पुलिस कार्रवाई पर जवाबदेही तय की जाए। इन मांगों को लेकर सरकार और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत हुई 25 जुलाई 2026 को शाम 6 बजे ऑल इंडिया रेडियो पर बताया गया कि इन मांगों पर सहमति की स्थिति बताई गई है, मांगे स्वीकार किए जाने के बाद प्रदर्शन समाप्त करने की घोषणा की गई तथा छात्रों से शांतिपूर्वक अपने घर लौटने की अपील की गई। हालांकि कुछ मांगों की स्वीकृति और उनके क्रियान्वयन को लेकर अलग-अलग रिपोर्टों में भिन्न जानकारी भी सामने आई है।सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, जिन्होंने आंदोलन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लोकतंत्र की जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह सड़कों से निकली लोकतांत्रिक शक्ति, शांति, धैर्य और निरंतर प्रयास की जीत है तथा अब अगला चरण सटीकता से शिक्षा सुधार का होना चाहिए। साथियों, भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता को लेकर पिछले कुछ वर्षों में लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। देश के विभिन्न राज्यों में पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया, जिसके कारण केवल परीक्षाएं ही नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था की साख भी कठघरे में आ गई।

पिछले 27 दिनों तक चले व्यापक जनआंदोलन, विपक्ष के लगातार दबाव, संसद में तीखी बहस और देशभर में छात्रों के विरोध प्रदर्शन ने अंततः केंद्र सरकार को बहुआयामी कार्रवाई के लिए बाध्य किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे से पहले जिस प्रकार एक के बाद एक प्रशासनिक, कानूनी और राजनीतिक कदम उठाए गए, उन्होंने यह स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार अब केवल दोषियों को पकड़ने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि पूरे परीक्षा तंत्र को नई कानूनी संरचना के माध्यम से बदलने की दिशा में आगे बढ़ रही है। साथियों, इस पूरी प्रक्रिया की पहली महत्वपूर्ण कड़ी बड़े पैमाने पर हुई गिरफ्तारियां रहीं।जांच एजेंसियों ने विभिन्न राज्यों में समन्वित अभियान चलाकर अब तक 14 प्रमुख आरोपियों

को गिरफ्तार किया। इनमें कथित मास्टरमाइंड बिचौलिए, तकनीकी विशेषज्ञ तथा परीक्षा संचालन से जुड़े कुछ कर्मचारी भी शामिल बताए गए। जांच में यह सामने आया कि पेपर लीक केवल स्थानीय स्तर का अपराध नहीं था, बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क कार्य कर रहे थे, जो आधुनिक तकनीक, सोशल मीडिया और आर्थिक लेनदेन के माध्यम से प्रश्नपत्रों की गोपनीयता भंग कर रहे थे। इन गिरफ्तारियों ने यह संदेश दिया कि सरकार अब केवल छोटे अपराधियों पर नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क को समाप्त करने की रणनीति अपना रही है। दूसरा बड़ा कदम प्रशासनिक जवाबदेही तय करने के रूप में सामने आया। सरकार ने विभिन्न विभागों और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े 27 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। यह कार्रवाई केवल अनुशासनात्मक नहीं थी, बल्कि यह संकेत भी था कि भविष्य में किसी भी अधिकारी की लापरवाही या मिलीभगत को केवल विभागीय त्रुटि मानकर नहीं छोड़ा जाएगा।

भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में इतनी बड़ी संख्या में अधिकारियों का एक साथ निलंबन यह दशार्ता है कि अब जवाबदेही केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरी प्रशासनिक श्रृंखला उत्तरदायी होगी। साथियों, इसी बीच मंत्रिमंडल ने परीक्षा सुरक्षा को लेकर अत्यंत कठोर नया विधायी प्रस्ताव भी स्वीकृत किया। प्रस्तावित कानून का सबसे चर्चित प्रावधान यह है कि पेपर लीक जैसे मामलों की सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक न्यायालय स्थापित किए जाएंगे और ऐसे मामलों का अंतिम निर्णय लगभग 13 महीनों के भीतर सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। भारत में सामान्यतः न्यायिक प्रक्रिया कई वर्षों तक चलती है, जिससे अपराधियों में दंड का भय कम हो जाता है। यदि यह समयबद्ध न्याय व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू होती है, तो यह देश की परीक्षा प्रणाली में सबसे बड़ा संरचनात्मक सुधार माना जाएगा।इस प्रस्तावित कानून का दूसरा अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष आर्थिक दंड है। पेपर लीक जैसे संगठित अपराधों में शामिल संस्थाओं या व्यक्तियों पर 10 करोड़ रुपये तक का भारी जुमार्ना लगाने का प्रावधान किया गया है। अब तक अधिकांश मामलों में कुछ लाख रुपये या सीमित आर्थिक दंड ही लगाया जाता था, जिससे अपराधियों के लिए जोखिम अपेक्षाकृत कम था। नई व्यवस्था का उद्देश्य अपराध की आर्थिक लाभप्रदता को समाप्त करना है, ताकि संगठित गिरोहों के लिए यह कारोबार पूरी तरह घाटे का सौदा बन जाए। अब विशेषज्ञों का मानना है कि यह सुधार केवल दंडात्मक नीति नहीं, बल्कि शासन प्रणाली में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत भी है। परीक्षा सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, प्रश्नपत्रों की एन्क्रिप्टेड ट्रांसमिशन, उत्तरदायित्व निर्धारण और समयबद्ध न्याय ये सभी तत्व मिलकर भारत को वैश्विक स्तर की परीक्षा सुरक्षा प्रणाली विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर जैसे देशों में परीक्षा सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय तकनीकी और कानूनी व्यवस्था पहले से लागू है। भारत यदि अपने नए कानून को प्रभावी ढंग से लागू कर पाता है, तो वह विश्व के सबसे बड़े परीक्षा तंत्र को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है।

साथियों, राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो इनघटनाक्रमों का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा रहा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी मंत्री का इस्तीफा केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता, बल्कि वह राजनीतिक जवाबदेही का प्रतीक माना जाता है। इस्तीफे से पहले सरकार द्वारा गिरफ्तारियां, निलंबन और नया कानून लाना यह दशार्ता है कि प्रशासनिक तथा राजनीतिक दोनों स्तरों पर जवाबदेही स्थापित करने का प्रयास किया गया। इससे यह संदेश देने की कोशिश हुई कि सरकार केवल नेतृत्व परिवर्तन तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन का भी दावा कर रही है।आर्थिक दृष्टि से भी यह सुधार अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक पेपर लीक के कारण परीक्षाओं के पुनः आयोजन, सुरक्षा प्रबंधन, न्यायिक प्रक्रिया तथा प्रशासनिक खर्च पर करोड़ों रुपये व्यय होते हैं। इसके अतिरिक्त लाखों अभ्यर्थियों को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक क्षति होती है। यदि नई व्यवस्था वास्तव में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने में सफल होती है, तो इससे सरकारी संसाधनों की बचत होगी, युवाओं का समय सुरक्षित रहेगा तथा रोजगार प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी।सामाजिक दृष्टिकोण से देखें तो यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास की पुनर्स्थापना का प्रयास है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले करोड़ों विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। जब प्रश्नपत्र लीक होते हैं, तब केवल परीक्षा ही नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, परिवार की उम्मीदें और व्यवस्था पर विश्वास भी प्रभावित होता है। इसलिए सरकार की हालिया कार्रवाइयों को केवल कानूनी कदम नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास बहाली की प्रक्रिया के रूप में भी सटीकता से देखा जा रहा है। साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। विश्व के अनेक देशों में उच्च शिक्षा, सरकारी भर्ती और पेशेवर परीक्षाओं की विश्वसनीयता राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता से जुड़ी होती है। यदि भारत समयबद्ध न्याय, कठोर आर्थिक दंड, डिजिटल सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही के इस मॉडल को प्रभावी ढंग से लागू कर देता है, तो यह विकासशील देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बन सकता है। इससे भारत की संस्थागत विश्वसनीयता, निवेशकों का विश्वास और वैश्विक शिक्षा प्रणाली में उसकी साख भी मजबूत हो सकती है। साथियों, वर्ष 2026 का पूरा घटनाक्रम केवल एक मंत्री के इस्तीफे तक सीमित नहीं रहा। पिछले कई वर्षों से विभिन्न भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं ने छात्रों का विश्वास कमजोर किया था। नीट विवाद ने इस असंतोष को राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दे दिया। छात्रों, अभिभावकों, सामाजिक संगठनों और विपक्षी दलों ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता तथा जवाबदेही की मांग तेज कर दी।जंतर-मंतर देशव्यापी असंतोष का केंद्र बना, जबकि संसद का मानसून सत्र भी इस मुद्दे की भेंट चढ़ गया। 20 जुलाई से शुरू हुआ सत्र 25 जुलाई तक बार-बार बाधित रहा।इस पूरे आंदोलन में उभरकर सामने आई कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने आंदोलन को केवल शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक सीमित नहीं रखा बल्कि परीक्षा सुधार, छात्रों की सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही को भी प्रमुख मुद्दा बनाया। आंदोलन धीरे-धीरे देश के अनेक राज्यों तक फैल गया और सोशल मीडिया से लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया तक इसकी सटीकता से चर्चा होने लगी। साथियों, धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपना इस्तीफा सार्वजनिक करते हुए लिखा कि उन्होंने चार दशकों से अधिक समय छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित किया है तथा उनका विश्वास रहा है कि सशक्त शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। उन्होंने यह भी कहा कि वे छात्रों के भविष्य को सर्वोपरि रखते हैं और नहीं चाहते कि वर्तमान परिस्थितियों का दुरुपयोग राष्ट्रविरोधी तत्व करें। अब राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह इस्तीफा केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि व्यापक राजनीतिक संदेश भी है। पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर 'समय सबको झुका देता है, सिंहासन डोलने पर डैमेज कंट्रोल करना पड़ता है जैसी टिप्पणियां लगातार चर्चा में थीं। हालांकि सरकार की ओर से इसे छात्रों के हित में लिया गया निर्णय बताया गया, जबकि विपक्ष ने इसे जनता की जीत करार दिया। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 25 जुलाई 2026 का दिन भारतीय लोकतंत्र, शिक्षा व्यवस्था और राजनीतिक जवाबदेही के इतिहास में एक महत्वपूर्ण तिथि के रूप में याद किया जा सकता है। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा केवल एक राजनीतिक घटना नहीं बल्कि यह संदेश भी है कि शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करना अब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में होना चाहिए। 'देर आए, दुरुस्त आए' की कहावत तभी सार्थक होगी जब इसके बाद व्यापक परीक्षा सुधार, पारदर्शी प्रशासन और छात्रों के भविष्य की वास्तविक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। तभी यह अध्याय केवल एक इस्तीफे का नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में विश्वास की पुनर्स्थापना का अध्याय कहलाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

लोकसभा अमरोहा सांसद कंवर सिंह तंवर की अध्यक्षता में हुई जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति 'दिशा' की बैठक

जिला कार्यक्रम विभाग के द्वारा विकास भवन में संचालित किया गया डे केयर सेंटर, मान्य सांसद कंवर सिंह तंवर जी ने डे केयर सेंटर का फीता काटकर किया शुभारंभ

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के विकास भवन के सभागार, हापुड़ में सांसद कंवर सिंह तंवर की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति 'दिशा' की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी कविता मीना के द्वारा पौधा देकर। सांसद कंवर सिंह तंवर जी का स्वागत किया गया। बैठक शुरू होने से पूर्व अमरोहा लोकसभा क्षेत्र सांसद कंवर सिंह तंवर जी के द्वारा राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित समूह के माध्यम से बनाए गए कावड़ फूड स्टॉल (प्रेरणा स्टॉल) का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इसके उपरांत विकास भवन परिसर में संचलित बाल संरक्षण गृह केंद्र का भी सांसद के द्वारा फीता काटकर शुभारम्भ किया गया जहां काम काज करने वाले महिला अपने बच्चों को देखबहाल हेतु रख सकती है। केंद्र में जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वार आंगनबाडी कार्यकताओं की तैनाती कर दी है। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में केंद्र सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने विगत बैठक में माननीय सांसद एवं विधायकगणों द्वारा दिए गए बिंदुओं के निस्तारण के संबंध में अवगत कराया।

- राष्ट्रीय आजीविका मिशन के द्वारा संचालित समूह के माध्यम से कावड़ यात्रा के दौरान लगाए जाएंगे प्रेरणा स्टॉल
- अमरोहा लोकसभा क्षेत्र के सांसद जी के द्वारा फीता काटकर कांवड़ प्रेरणा स्टॉल का किया गया उद्घाटन

बैठक के प्रमुख बिंदु

प्रधानमंत्री आवास योजना

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिन लाभार्थियों के आवास पूर्ण हो चुके हैं उन्हें गृह प्रवेश कराने के निर्देश दिए गए।

जल जीवन मिशन

जनपद में हर घर नल से जल योजना के अंतर्गत शेष बचे घरों को 100% कनेक्शन से जोड़ने हेतु समयबद्ध कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए।

आयुष्मान भारत

आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाने और सभी पात्र परिवारों का शत-प्रतिशत सत्यापन पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

पीएम किसान सम्मान निधि

अपात्र किसानों को चिन्हित कर वसूली की कार्यवाही एवं नए पात्र किसानों का पंजीकरण बढ़ाने पर जोर दिया गया।

सड़क एवं विद्युतीकरण

पीएम ग्राम सड़क योजना एवं दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के तहत लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश।

बैठक में बिंदुवार महात्मा गांधी रोजगार मनरेगा , स्वयं सहायता समूह , कौशल विकास मिशन, प्रधानमंत्री सड़क योजना , समाज कल्याण , दिव्यांग जनशक्तिकरण, जिला प्रोबेशन विभाग , विद्युत विभाग , नगर पालिका परिषद, जल निगम शिक्षा विभाग परिवहन विभाग नेशनल हाईवे सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। मा० सांसद जी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए की जो भी कार्य उनके द्वारा कराए जाते हैं उसकी जानकारी संबंधित जनप्रतिनिधि को अवश्य कराए। सांसद ने कहा कि 'दिशा' समिति का उद्देश्य केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों को प्राथमिकता से लागू करें। उन्होंने अधिकारियों से फील्ड विजिट कर योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने को कहा।

जिलाधिकारी के निर्देश

जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि बैठक में दिए गए निदेर्शों का अनुपालन 15 दिवस में सुनिश्चित किया जाए। योजनाओं की प्रगति की साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध किया जाए।बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, विधायक सदर विजय पाल आढ़ती, विधायक गढ़मुक्तेश्वर हरेंद्र तेवतिया, विधायक धौलाना धर्मेश तोमर, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, मेरठ लोकसभा सांसद प्रतिनिधि बबली, गाजियाबाद लोकसभा सांसद प्रतिनिधि, अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार, जिला विकास अधिकारी, समस्त जिला स्तरीय अधिकारी , ब्लॉक प्रमुख एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

डीएम ने यादव खाद भंडार का किया निरीक्षण, निर्धारित दर पर उर्वरक बिक्री के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लोटन/सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने शनिवार को विकास खंड लोटन स्थित सिकरी बाजार में यादव खाद भंडार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टॉक रजिस्टर एवं वितरण रजिस्टर की गहन जांच की।

जिलाधिकारी ने रजिस्टर में दर्ज किसानों से दूरभाष पर बातचीत कर खाद वितरण की जानकारी प्राप्त की और अभिलेखों का सत्यापन किया। उन्होंने विक्रेता को निर्देश दिया कि किसानों को निर्धारित सरकारी दर पर ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। साथ ही खाद प्राप्त करने वाले प्रत्येक किसान का आधार नंबर एवं मोबाइल नंबर रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए।

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि उर्वरकों की बिक्री में किसी भी प्रकार की ओवररेटिंग या टैगिंग की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को पारदर्शी व्यवस्था के तहत समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की होगी सीधी भर्ती

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों के लिए सरकारी सेवा में सीधी भर्ती का रास्ता खुल गया है। खेल विभाग ने विभिन्न विभागों के 49 पदों पर इसके लिए आवेदन मांगे हैं। इच्छुक खिलाड़ी आठ अगस्त 2026 तक आवेदन कर सकते हैं।

क्रीड़ाधिकारी अरुणा ने बताया कि भर्ती के तहत खिलाड़ियों की क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी के पांच, उप क्रीड़ाधिकारी के 23, क्रीड़ा अधिकारी के 9, जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी के तीन, क्षेत्रीय वन अधिकारी के दो, सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक के दो, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का एक, खंड विकास अधिकारी के तीन और तथा यात्रीकर-मालकर अधिकारी का एक पद भरे जाएंगे। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र एवं पदों का विवरण खेल विभाग की वेबसाइट और खेल साथी पोर्टल पर उपलब्ध है।

आवेदन निर्धारित प्रारूप में आवश्यक प्रमाणपत्रों के साथ निदेशक खेल उत्तर प्रदेश, गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कालेज लखनऊ को आठ अगस्त शाम पांच बजे तक भेजना होगा। भर्ती के लिए वही खिलाड़ी पात्र होंगे, जो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हों तथा एक सितंबर 2020 या उसके बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, विश्व चैंपियनशिप (चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित), एशियाई खेल अथवा राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, रजत या कांस्य पदक जीत चुके हों।

धौलाना पुलिस ने ट्रांसफार्मर के उपकरण चुराने वाले पांच शातिर गिरफ्तार ,तीन कुंतल कॉपर तार बरामद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के थाना धौलाना थानाध्यक्ष अवनीश शर्मा की पुलिस टीम ने विद्युत ट्रांसफार्मरों के उपकरण चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने यूपीएसआईडीसी क्षेत्र रावली पुल के पास से गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से करीब तीन कुंतल चोरी का विद्युत कॉपर तार,एक अवैध चाकू और घटना में प्रयुक्त दो दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोशन, मोनिश, दानिश और असलम निवासी धौलाना तथा कपिल निवासी पिलखुवा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह निमार्णाधीन और बंद पड़ी फैक्ट्रियों व खेतों में लगे ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाता था। आरोपी रात में ट्रांसफार्मर से कॉपर तार और अन्य कीमती उपकरण निकालकर कबाड़ में बेच देते थे। और आर्थिक लाभ कमाते थे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की जनपद स्तरीय खेल चयन ट्रायल प्रतियोगिता हापुड़ में संपन्न

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के सभी केजीबीवी विद्यालय का स्पोर्ट्स ट्रायल आज दिनांक 25/7/ 2026 को जेएमएस वर्ल्ड स्कूल हापुड़ में आयोजित किया गया। जिसमें जनपद के चार केजीबीवी विद्यालय की लगभग 100 बालिकाओं ने विभिन्न खेलों में प्रतिभाग किया।

जूडो, कैरम, शतरंज, लूडो, कबड्डी, खो-खो, एथलेटिक्स में ऊंची कूद, शॉट पुट, डिसकस थ्रो, 100, 200, 400 और 600 मीटर दौड़, जूडो, शतरंज आदि खेलों में छात्राओं ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा की गई।

एथलेटिक्स मे लंबी कूद में भूमिका केजीबीवी हापुड़ डाइट, ऊंची कूद में तानिया केजीबीवी कुचेसर चौपला, डिस्कस थ्रो में अनुष्का केजीबीवी कुचेसर चौपाला, गोला फेंक में रिया केजीबीवी अठसैनी, 100 व 400 मीटर दौड़ में भूमिका केजीबीवी हापुड़ डाइट, 200 मीटर दौड़ में सोफिया केजीबीवी कुचेसर चौपला, 600 मीटर दौड़ में मानवी केजीबीवी अठसैनी।

इसके अतिरिक्त शतरंज, कैरम, जूडो के लिए भी छात्राओं का चयन किया गया। कबड्डी के लिए केजीबीबी कुचेसर चौपला और धौलाना तथा खो-खो के लिए केजीबीवी अठसैनी और हापुड़ डाइट की टीम का चयन प्रशिक्षण कैंप हेतु हुआ। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने सभी विजेता छात्राओं को शुभकामनाएं दी और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार, पंकज चतुर्वेदी, जिला समन्वयक बालिका शिक्षा पूजा सैनी, जिला व्यायाम शिक्षक मनप्रीत खैरा एवं आशा, अन्य व्यायाम शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा खेल अनुदेशकों की उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त केजीबीवी विद्यालय का स्टाफ भी उपस्थित रहा।

जिलाधिकारी ने किया रळढ एवं पेयजल पुनर्गठन योजना का स्थलीय निरीक्षण, समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना ने जनपद में चल रही एवं पेयजल पुनर्गठन योजना का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने STP प्लांट पर उपचार क्षमता, संचालन, डिस्चार्ज मानकों एवं पेयजल योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने, ओवरहेड टैंक, पम्प हाउस एवं घर–घर नल कनेक्शन के कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि STP एवं पेयजल योजना के सभी कार्य निर्धारित मानक एवं समय–सीमा के अंतर्गत पूर्ण किए जाएं। कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। STP से उपचारित जल के नमूनों की नियमित जांच कराई जाए। पेयजल योजना में शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ पेयजल एवं सीवेज उपचार जनस्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। इस योजना के पूर्ण होने से जनपद वासियों को शुद्ध पेयजल के साथ–साथ स्वच्छ पर्यावरण भी उपलब्ध होगा।

विद्युत विभाग ने नगर मे बिजली की समस्याओं को लेकर की बैठक, लाईट की समस्याओं के समाधान पर जोर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं की विद्युत सम्बन्धी समस्याओं के समाधान को लेकर विद्युत विभाग की ओर से शनिवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व जेई प्रदीप शुक्ला ने किया। इस दौरान व्यापार सभा के अध्यक्ष शैलेन्द्र कौशल और महामंत्री मनोज गुप्ता की मौजूदगी में कस्बा और पंचायत स्तर पर विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में व्यापारियों ने बिजली आपूर्ति, विद्युत कनेक्शन, बिल, लाइन और अन्य स्थानीय समस्याओं को विभागीय अधिकारियों के समक्ष रखा। जेई प्रदीप शुक्ला ने समस्याओं को गम्भीरता से लेते हुए सम्बन्धित मामलों के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा और विभागीय स्तर पर किसी भी समस्या को लम्बित नहीं रखा जायेगा। व्यापार सभा के अध्यक्ष शैलेन्द्र कौशल और महामंत्री मनोज गुप्ता ने कहा कि कस्बा एवं पंचायत स्तर पर विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर लगातार प्रयास किये जायेंगे। बैठक के माध्यम से व्यापारियों और विद्युत विभाग के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं, जिनके निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया। इस दौरान प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल के संरक्षक राम सेवक गुप्ता, कोषाध्यक्ष महेश कसौंधन, दिलीप वर्मा, लाइनमैन राधेश्याम, लाइनमैन दुर्गेश, सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

कालानमक प्रशिक्षण व टूलकिट योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक बढ़ी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2026-27 में कालानमक कार्य हेतु प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब इच्छुक अभ्यर्थी 31 जुलाई 2026 को शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकेंगे।

योजना के तहत जनपद के 250 व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। आवेदन के लिए अभ्यर्थी की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए तथा वह सिद्धार्थनगर का मूल निवासी होना आवश्यक है। इस योजना में किसी प्रकार की शैक्षिक योग्यता अनिवार्य नहीं रखी गई है।

इच्छुक अभ्यर्थी उद्योग विभाग के ई-पोर्टल diupmsme.upsdc.gov.in पर आवेदक लॉगिन के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, सिद्धार्थनगर में किसी भी कार्यदिवस पर संपर्क किया जा सकता है। उपायुक्त उद्योग शिवशंकर कुमार ने बताया कि पहले आवेदन की अंतिम तिथि 7 जुलाई 2026 निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर 31 जुलाई 2026 कर दिया गया है।

निजी औद्योगिक पार्क स्थापित करने के लिए आवेदन आमंत्रित, प्लेज योजना के तहत मिलेगा लाभ:उपायुक्त उद्योग

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग की महत्वाकांक्षी प्लेज योजना के तहत जनपद में निजी औद्योगिक पार्क स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों, औद्योगिक संगठनों एवं निजी प्रवर्तकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

यह योजना एक फरवरी 2023 से संचालित है, जिसके अंतर्गत 10 से 50 एकड़ तक के औद्योगिक पार्कों का विकास बिल्ड, ओन एंड ऑपरेट (BOO) मॉडल पर किया जाएगा।

योजना के तहत निजी प्रवर्तकों को औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए भूमि के कलेक्टर रेट के मूल्य का 90 प्रतिशत अथवा आवश्यक धनराशि, जो भी कम हो, मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराई जाएगी। पार्क के आंतरिक विकास कार्य की लागत अधिकतम 50 लाख रुपये प्रति एकड़ के आधार पर निर्धारित की जाएगी।

पार्क में भूखंडों का आवंटन, बिक्री एवं संचालन की पूरी जिम्मेदारी निजी प्रवर्तक की होगी। योजना के अंतर्गत औद्योगिक पार्क के लिए भूमि खरीदने या लीज पर लेने पर 100 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क की छूट भी दी जाएगी।

वहीं, पार्क में भूखंड लेने वाले उद्यमियों को एमएसएमई नीति-2022 के अनुसार विभिन्न अनुदानों का लाभ मिलेगा। प्रत्येक एकड़ में कम से कम एक औद्योगिक इकाई स्थापित करना तथा कुल विकसित भूमि का 75 प्रतिशत हिस्सा एमएसएमई इकाइयों के लिए आरक्षित रखना अनिवार्य होगा।

उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र ने जनपद के इच्छुक उद्यमियों से आवश्यक अभिलेखों सहित प्रस्ताव कार्यालय में प्रस्तुत करने की अपील की है, ताकि नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा सके।

साइबर सेल की तत्परता से ठगी के 4,999 पीड़िता के खाते में वापस

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लोटन/सिद्धार्थनगर। थाना लोटन साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी की शिकार एक युवती के 4,999 उसके बैंक खाते में वापस कराए। पीड़िता ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई थी। जानकारी के अनुसार, नेतवर निवासी सुधा शर्मा ने 21 जुलाई 2026 को एनसीआरपी पोर्टल पर वित्तीय साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज कराई थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में चलाए जा रहे साइबर अपराध नियंत्रण एवं धनराशि रिकवरी अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद, क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत शौर्यन तथा थानाध्यक्ष हरिओम कुशवाहा के नेतृत्व में थाना लोटन साइबर सेल ने संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई की। इसके बाद ठगी गई 4,999 की पूरी धनराशि पीड़िता के खाते में वापस करा दी गई। इस सराहनीय कार्य में उपनिरीक्षक रवीन्द्र यादव, कांस्टेबल गौरवकांत, हेड कांस्टेबल अंकित सिंह, महिला कांस्टेबल पूजा वर्मा तथा महिला कांस्टेबल कीर्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उत्तरांचल पंजाबी महासभा देहरादून की नई कार्यकारिणी घोषित

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तरांचल पंजाबी महासभा, जिला महानगर देहरादून की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। प्रेस क्लब देहरादून में आयोजित पत्रकार वार्ता में जिला महानगर अध्यक्ष बलदेव पाराशर और नवनियुक्त महामंत्री गोविंद मोहन ने संयुक्त रूप से नई टीम की जानकारी दी। बलदेव पाराशर ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष करण मल्होत्रा, महामंत्री राजकुमार फुटेला, प्रदेश कोषाध्यक्ष पीएस कोचर एवं संगठन मंत्री जीएस आनंद के मार्गदर्शन और सहमति से नई टीम का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि पंजाबियत केवल एक नाम नहीं, बल्कि सेवा, साहस, परिश्रम, भाईचारे और मानवता की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना ही पंजाबियत की वास्तविक पहचान है। उन्होंने कहा कि देश विभाजन की पीड़ा झेलने के बावजूद पंजाबी समाज ने मेहनत, ईमानदारी और संघर्ष के बल पर अपनी अलग पहचान बनाई है।

आज पंजाबी समाज देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा, 'एकता हमारी शक्ति है, सेवा हमारी पहचान है और पंजाबियत हमारा गौरव है।' नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर विनोद कपूर, गुरप्रीत छाबड़ा, चरणजीत सिंह, अमरजीत कुकरेजा, अरुण खरबंदा और जेएस बग्गा को जिम्मेदारी दी गई है। महामंत्री पद पर गोविंद मोहन को नियुक्त किया गया है, जबकि मंत्री पद पर दिलबाग सिंह, कृष्ण शर्मा, बिट्टू कोचर और रवि वोहरा को शामिल किया गया है। कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सुरेंद्र घई को सौंपी गई है। सचिव पद पर विवेक भंडारी, जसवीर सिंह चावला, एडवोकेट विजयेश भाटिया, अमरीश दुग्गल और अंकुर मल्होत्रा को नियुक्त किया गया है।

सह सचिव पद पर कुलवीर सिंह, सुभाष भल्ला, दीपक जेट्ठी और वीरेंद्र सेठी को जिम्मेदारी मिली है। भारत भूषण आहूजा को प्रचार मंत्री, सागर को सांस्कृतिक मंत्री, मनोज धवन और वीरेंद्र सेठी को सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी तथा योगेश कपूर को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। इसके साथ ही प्रेम नगर इकाई की नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई। इसमें अमित भाटिया को अध्यक्ष, रविंद्र सिंह खालसा को महामंत्री और सुरेश भाटिया को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

बलदेव पाराशर ने कहा कि उत्तरांचल पंजाबी महासभा केवल पंजाबी समाज का संगठन नहीं, बल्कि सर्वसमाज के कल्याण के लिए समर्पित संस्था है, जो 'सरबत दा भला' की भावना के साथ कार्य करती है। उन्होंने कहा कि समाजसेवा के माध्यम से राष्ट्रसेवा करना महासभा का मुख्य उद्देश्य है और भविष्य में भी संगठन जनहित के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाएगा। उन्होंने विभिन्न बिरादरियों के अध्यक्षों, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों, मंदिर समितियों और समाज के वरिष्ठजनों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने विश्वास जताते हुए उनके नाम का प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी जीएस (सीएस) आनंद और पीएस कोचर ने महासभा के सेवा कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान राहत कार्यों, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, हेल्थ कैंप, मैमोग्राफी कैंप, भंडारे, मंदिर एवं गुरुद्वारा सेवा, केदारनाथ आपदा राहत, शिक्षा, भोजन सेवा और कंबल वितरण जैसे अनेक जनकल्याणकारी कार्यों में महासभा ने सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि महासभा भविष्य में भी समाजसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाती रहेगी। इस मौके पर प्रदेश पदाधिकारियों के साथ गढ़वाल अध्यक्ष पंकज मैसोन और महामंत्री राजीव सच्चर ने नव नियुक्त पदिधिकारियों का नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी।

एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरण किए

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था, हल्द्वानी ने फतेहपुर में महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरण कर स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन शैली जीने के लिए जागरूक किया। संस्था मार्गदर्शिका पूर्णिमा रजवार ने कहा कि मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को सैनिटरी पैड का प्रयोग करना बहुत ही आवश्यक है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों की कुछ महिलाओं में जागरूकता न होने या शर्म की वजह से सैनिटरी पैड लेने के लिए दुकान तक न जाने के कारण वे सैनिटरी पैड के बजाय कपड़े का प्रयोग करती हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक है।

संस्था सदस्य पूजा जोशी ने बताया कि इसीलिए यह पहल शुरू की गयी है ताकि, कोई भी महिला सैनिटरी पैड से वंचित न रहे। संस्था हमेशा अलग-अलग ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरण करती रहेगी। इस अवसर पर मीना मिश्रा, पूजा जोशी, आशा रावत, दीपा रावत, गीतांजलि जोशी, मनीषा आर्या आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा मित्रों ने दिवंगत शिक्षा मित्रों को मोमबत्ती जलाकर दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री के नाम जिला अधिकारी को दिया अपनी मांगों का ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के बैनर तले जनपद के शिक्षा मित्रों ने वट वृक्ष कलेक्ट्रेट पर एकत्रित होकर 25 जुलाई 2017 को सुप्रीम कोर्ट के द्वारा शिक्षा मित्रों का समायोजन रदद् किये जाने के बाद और सरकार की उदासीनता से प्रभावित होकर जान गवाने वाले शिक्षा मित्रों को याद करने के लिए मोमबत्ती जलाकर और 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला अधिकारी मथुरा की अनुपस्थिति में उपजिलाधिकारी न्यायिक अश्वनी कुमार को सौंपा।

संघ के जिला अध्यक्ष खेमसिंह चौधरी ने कहा कि 25 जुलाई 2017 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिक्षा मित्रों का समायोजन रदद् होने के बाद आज तक जनपद सहित पूरे प्रदेश में लगभग 15 हजार शिक्षा मित्र अवसाद में आकर आत्म हत्या, आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण इलाज न करा पाने के कारण गम्भीर बीमारियों से अपनी जान गवा चुके हैं, शिक्षा मित्र हर वर्ष इस दिन को काले दिवस के रूप में मनाते हैं और अपने दिवंगत साथियों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। आज इसी क्रम में हमने अपने साथियों को श्रद्धांजलि सभा आयोजित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है साथ ही हमने शिक्षा मित्रों की मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम जिला अधिकारी मथुरा को दिया है। जिसमें प्रमुख मांग है कि दिवंगत शिक्षा मित्रों को उचित आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए उनके परिवार के किसी एक सदस्य को उसकी योग्यता अनुसार नोकरी दी जाए। शिक्षा मित्रों का नियमिति करण किया जाए, टैट पास शिक्षा मित्रों को सुपर टैट से छूट प्रदान करते हुए सहायक अध्यापक के पद पर समायोजित किया जाए, शिक्षा मित्रों को उनके मूल विद्यालय एवं महिला शिक्षा मित्रों को उनके पति के निवास स्थान पर स्थान्तरित किये जाने वाले 3 जनवरी 25 के आदेश का पालन कराया जाए, शिक्षा मित्रों को वर्ष में 11 माह के स्थान पर पूरे 12 माह का मानदेय दिया जाए, शिक्षा मित्रों की सेवानिवृत्ति 60 वर्ष के स्थान पर 62 वर्ष की जाए और शिक्षा मित्रों को भी शिक्षको की भांति मेडिकल अवकाश की सुविधा प्रदान की जाए। आज ज्ञापन और श्रद्धांजलि देने वालों में, दीपक गुप्ता, ठाकुर योगेंद्र सिंह, रामकुमार चौधरी, जगराज गुर्जर, राजकुमार चौधरी, तेजवीर सिंह, बनी सिंह सागर, प्रहलाद सिंह, रामवीर छोंकर, सुशील कुमार, कृष्णपाल चौधरी, चन्द्रमोहन, उदय सिंह, कुसुमलता, मधुबाला संगीता, शशि पचौरी प्रीति यादव, रेखा, शिवकुमार शर्मा, महेश चन्द, विहारी लाल, ममता, कुलदीप, नरदेव आदि दर्जनों शिक्षा मित्र रहे।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 'रन फॉर कारगिल हीरोज' मैराथॉन का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शौर्य स्थल, चीड़बाग, गढ़ीकैंट, देहरादून में आयोजित 'रन फॉर कारगिल हीरोज' मैराथॉन को मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शौर्य स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा राष्ट्र की रक्षा के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, पराक्रम, शौर्य और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है। वर्ष 1999 में भारतीय वीर जवानों ने विषम परिस्थितियों में अद्वितीय वीरता का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा की और विश्व के समक्ष भारतीय सेना के अदम्य साहस का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि देश सदैव अपने वीर सैनिकों और शहीदों के बलिदान का ऋणी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को वीरों की भूमि के रूप में जाना जाता है। प्रदेश के अनेक वीर सैनिकों ने कारगिल युद्ध सहित विभिन्न सैन्य अभियानों में अपने अद्वितीय साहस और सर्वोच्च बलिदान से देश का गौरव बढ़ाया है। राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा उनके सम्मान और हितों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीदों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें तथा देश की एकता, अखण्डता और सुरक्षा के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी, बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, युवा, मातृशक्ति और अनेक गणमान्य मौजूद थे।

श्रीनगर, सिद्धनगर और वमनपुर भगीरथ में बाढ़ राहत का जायजा, कई अधिकारी नदारद

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों को लेकर शनिवार को तहसील क्षेत्र के ग्राम श्रीनगर, सिद्धनगर और वमनपुर भगीरथ में विशेष बाढ़ राहत चौपालों का आयोजन किया। नायब तहसीलदार ऋषि दीक्षित की अध्यक्षता में आयोजित चौपालों में ग्रामीणों को बाढ़ से बचाव, राहत एवं बचाव कार्यों तथा आपदा के समय बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई।

वहीं, बाढ़ राहत जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण आयोजन में कई जिम्मेदार अधिकारियों के अनुपस्थित रहने से प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। चौपाल के दौरान ग्रामीणों को संभावित बाढ़ की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर जाने, प्रशासन को तत्काल सूचना देने, दूषित पानी से होने वाली बीमारियों से बचाव तथा आपदा के समय आवश्यक सावधानियां बरतने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि बाढ़ की स्थिति में अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। राजस्व विभाग की ओर से राजस्व निरीक्षक महेश पाल, क्षेत्रीय लेखपाल प्रद्युम्न पांडे और श्याम मौर्य सहित आशीष निषाद व रामेश्वर चौहान मौके पर मौजूद रहे। पंचायत विभाग की ओर से ग्राम पंचायत अधिकारी तथा पुलिस प्रशासन की ओर से थाना हजारा के उपनिरीक्षक विनोद कुमार पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक ने ग्रामीणों को संक्रामक बीमारियों से बचाव और प्राथमिक उपचार के संबंध में आवश्यक जानकारी दी।

(कई जिम्मेदार अधिकारी रहे नदारद)

बाढ़ राहत चौपाल के दौरान विकास खंड एवं पंचायत विभाग के खंड विकास अधिकारी और सहायक विकास अधिकारी पंचायत के अनुपस्थित रहने की बात सामने आई। इसके अलावा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के पूर्ति निरीक्षक तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की बाल विकास परियोजना अधिकारी भी चौपाल में मौजूद नहीं रहे। बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जिम्मेदार अधिकारियों की गैरहाजिरी को गंभीरता से लिया गया है।

नायब तहसीलदार ऋषि दीक्षित ने कहा कि बाढ़ राहत जैसे अति-संवेदनशील और जनहित से जुड़े कार्य में अधिकारियों और कर्मचारियों की अनुपस्थिति गंभीर विषय है। तीनों ग्राम पंचायतों में आयोजित चौपाल से गैरहाजिर रहे संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जा रही है। प्रशासन की इस कार्रवाई से अनुपस्थित अधिकारियों में खलबली मच गई है। वहीं, ग्रामीणों ने भी बाढ़ की स्थिति में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित किए जाने की मांग की है।

रिफाइनरी नगर में धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ की 'बाहुड़ा रथ यात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। रिफाइनरी नगर में भगवान जगन्नाथ की 'बाहुड़ा रथ यात्रा' (पुनरागमन यात्रा) अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर पूरा नगर श्रद्धालुओं के उत्साह और जयघोष से सराबोर नजर आया। भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के घर (गुंडिचा मंदिर) में प्रवास पूरा करने के बाद बहन सुभद्रा और भ्राता बलभद्र के साथ पुनः अपने मंदिर लौटने के लिए रथ पर सवार हुए। ढोल-नगाड़ों, शंख ध्वनि और 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के बीच श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ रथ को खींचा। नगर भ्रमण के दौरान मार्ग में जगह-जगह नगर वासियों ने रथ यात्रा का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा रथ यात्रा के दौरान इंद्रदेव ने भी सुहाना मौसम कर रथ यात्रा का स्वागत किया, जिससे समूचा नगर जगन्नाथमय हो गया। रथ यात्रा में राजा का दायित्व निभा रहे रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और नगर की सुख-समृद्धि की कामना की। नगर भ्रमण करते हुए भगवान जगन्नाथजी का रथ गोकुलेश्वर महादेव मंदिर पहुँचा, जहाँ यात्रा का विश्राम हुआ। मंदिर प्रांगण में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच विशेष प्रसाद का वितरण भी किया गया। इस भव्य आयोजन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

गिरिराज धाम में उमड़ी आस्था की भीड़, गुरु पूर्णिमा मेले में श्रद्धालुओं का सैलाब

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। देवशयनी एकादशी के साथ विश्व प्रसिद्ध गुरु पूर्णिमा मेले का शुभारंभ होते ही गिरिराज धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देश के विभिन्न राज्यों से आए लाखों श्रद्धालु गिरिराज महाराज की सात कोसीय परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। परिक्रमा मार्ग, दानघाटी मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर देर रात तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। परिक्रमा मार्ग और प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे मेले क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और यातायात की विशेष व्यवस्था भी की गई है।

प्रशासन ने 30 जुलाई तक भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है तथा श्रद्धालुओं से निर्धारित यातायात व्यवस्था का पालन करने की अपील की है।

अधिकारियों का कहना है कि मेले के दौरान सुरक्षा और सुविधाओं पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। एसडीएम गोवर्धन सुशील कुमार सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। मेला के दौरान स्वयं रात्रि में भंडारे वालों को साफ-सफाई के लिए बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। भंडारे वाली जगहों पर प्रशासन की ओर से भी अधिक मात्रा में कचरा पात्र रखे गए हैं।

स्थानीय निवासियों से भी अपील की जाती है कि अनावश्यक रूप से मोटरसाईकिल आदि को मेला क्षेत्र में न चलाएं, प्रशासन का सहयोग करें। परिक्रमा मार्ग में अधिक भीड़ के कारण मोटर साईकिल से पैदल परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

थाना समाधान दिवस रहा सूना, एक भी फरियादी नहीं पहुंचा

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। शासन के निदेर्शानुसार शनिवार को थाना परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैराना एसडीएम शिवाजी यादव ने की। हालांकि समाधान दिवस पूरी तरह सूना रहा और एक भी फरियादी अपनी शिकायत लेकर नहीं पहुंचा। समाधान दिवस में एसडीएम शिवाजी यादव ने मौजूद राजस्व विभाग के अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए कि भविष्य में आने वाली शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान शासन की प्राथमिकता है। शनिवार को शिकायतकर्ता नहीं पहुंचने के कारण समाधान दिवस में कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ। इसके बाद एसडीएम आवश्यक दिशा-निर्देश देने के उपरांत वापस लौट गए। इस दौरान तहसीलदार सतीश यादव उप निरीक्षक रणवीर सिंह व पुलिस टीम और राजस्व विभाग मौजूद रहा।

थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने चोरी की 01 अदद बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल के साथ वाँछित 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान जनपद में चोरी जैसी घटनाओं के सफल अनावरण हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दूबे के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 ध्रुवनरायण यादव, हे0का0 हरिनरायण प्रसाद, का0 बहादुर सिंह, का0 अभिषेक कुमार ने मु0अ0सं0 667/2026 धारा 303(2) बीएनएस में वांछित अभियुक्त गंगाराम निषाद पुत्र श्रीराम बटोरे निषाद निवासी महेशरपुर थाना धनघटा जनपद संतकबीरनगर को कचहरी के पास से चोरी की 01 अदद बजाज प्लेटिना (रजि0नं0 यू0पी058 सी 2553) के साथ गिरफ्तार किया।

पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की आवश्यकता: शिव कुमार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। विकास खंड बलदेव के जादौपुर स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर शिव कुमार प्रदेश अध्यक्ष उ.प्र. अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा व हरा-भरा वातावरण देने के लिए वृक्षारोपण एक अति महत्वपूर्ण कदम है।

इसी दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए इंडियन पब्लिक स्कूल जादौपुर में एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है। प्रधानाचार्य तुषार देशवार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि एक पौधा लगाना केवल जमीन में बीज बोना नहीं है, बल्कि आने वाले कल के लिए सांसों का प्रबंध करना है।

बच्चों में इस कार्यक्रम को लेकर अद्भुत उत्साह देखने को मिला। हाथों में पौधे और चेहरे पर मुस्कान लिए छात्र-छात्राएं प्रकृति सेवा के इस पवित्र कार्य के लिए पूरी तरह तैयार दिखे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर, खेल के मैदान के चारों ओर और आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार और औषधीय पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य तुषार देशवार, धर्मेन्द्र परिहार, विवेक कुमार, विद्यासागर सरपंच, देवेंद्र सिंह, अंजली सिकरवार, सलोनी, संजना, गरिमा, अम्बिका, पूजा, मनू समस्त शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

टिहरी के साहिल सुरियाल ने आईआईटी इंदौर में हुआ प्रवेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। टिहरी जनपद के ग्राम पंचायत कैन्सूर (पट्टी-पालकोट) के साहिल सुरियाल ने आईआईटी इंदौर में प्रवेश पाकर अपने गांव व जनपद का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी की लहर हैं। राजकीय इंटर कॉलिज, चाका से इंटरमीडिएट की परीक्षा में टॉपर साहिल ने कड़ी मेहनत व लगन से यह उपलब्धि हासिल की है। राजकीय शिक्षक संघ, टिहरी के तपोवन में आयोजित अधिवेशन में उन्हें सम्मानित भी किया गया। समाजसेवी सुरेन्द्र सिंह सजवाण ने साहिल को सुपर 30 शैक्षणिक कार्यक्रम का मार्गदर्शन दिया, जिसके तहत चुने गए बच्चों को पुस्तकें, कोचिंग, आवासीय और खाने-पीने की सुविधा पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध करायी जाती है। एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. सुलोचना सजवाण व समाजसेवी सुरेन्द्र सिंह सजवाण ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसी प्रतिभाएं ही देश और समाज को प्रगति के पथ पर ले जाती हैं, अन्य युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

जौहर यूनिवर्सिटी की तालीमी विरासत बचाने को सड़क पर उतरे लोग, राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी, रामपुर की तालीमी विरासत और हजारों विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा की मांग को लेकर शनिवार को पूरनपुर में तालीमी बेदारी मुहिम के बैनर तले कार्यकताओं और उलमाओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सुबह करीब 11 बजे साबरी आहता गेट पर एकत्र हुए लोगों ने धरना देकर अपनी आवाज बुलंद की। इसके बाद राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपकर यूनिवर्सिटी के मामले में निष्पक्ष और संवैधानिक हस्तक्षेप की मांग की गई।

प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी का मामला किसी व्यक्ति विशेष या राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, संविधान और हजारों छात्र-छात्राओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है।

उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी की स्थापना शिक्षा के प्रसार और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। ऐसे में किसी भी प्रकार की कार्रवाई का सीधा असर वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के भविष्य पर पड़ सकता है।

राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन में कहा गया कि यदि यूनिवर्सिटी से संबंधित कोई कानूनी या प्रशासनिक विवाद है तो उसका समाधान न्यायालय और विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए।

किसी भी कार्रवाई से पहले संबंधित पक्ष को निष्पक्ष सुनवाई का अवसर दिया जाए और कानून के निर्धारित प्रावधानों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शिक्षा संस्थानों से जुड़े मामलों में विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि किसी भी निर्णय का खामियाजा पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं को न भुगतना पड़े।

उलमाओं ने राज्यपाल से पूरे प्रकरण में न्यायपूर्ण एवं संवैधानिक हस्तक्षेप करते हुए यूनिवर्सिटी की तालीमी विरासत की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के संस्थानों की रक्षा करना लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना के अनुरूप है।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की और प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल तक अपनी बात पहुंचाई।ज्ञापन पर तालीमी बेदारी मुहिम के संयोजक हाफिज नूर अहमद अजहरी, हाफिज जाकिर, हाफिज साकिर, मौलाना इरशाद, हाफिज अरवाज, नौमान वारसी, मखदूम खान, हाफिज नाजिम, खुरशीद अंसारी, गुच्छन खान समेत मुहिम से जुड़े कई उलमा और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

दो बाइकों की भिड़ंत मे दो सगे भाई घायल जिला अस्पताल रेफर

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के कैराना मार्ग स्थित गांव आल्दी बस अड्डे के समीप दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत में मेरठ निवासी दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया।

मेरठ जनपद के गांव खरदौनी निवासी अंकुश और उसका भाई प्रमोद हरियाणा के कस्बा सिम्भालका में रिश्तेदारी से लौट रहे थे। शनिवार को दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर अपने गांव वापस जा रहे थे।

जैसे ही वे कैराना मार्ग पर गांव आल्दी बस अड्डे के निकट पहुंचे, तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहगीरों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस कर्मियों ने दोनों घायलों को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद दूसरी बाइक का चालक मौके से फरार हो गया। समाचार लिखे जाने तक मामले में किसी भी पक्ष की ओर से थाने में तहरीर नहीं दी गई थी।

पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ होते हैं उनका पूरा सम्मान है: वरिष्ठ उपनिरीक्षक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शनिवार को दुधारा थाना पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार थाना क्षेत्र के पत्रकारों की बैठक सम्पन्न हुई। इस दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। वरिष्ठ उपनि. उदय शंकर द्विवेदी की अध्यक्षता में थाना क्षेत्र के पत्रकारों की बैठक हुई।

उन्होंने कहा कि पत्रकारों ने जिन समस्याओ की चर्चा किये हैं। उसे दूर किया जाएगा। बैठक में पुलिस और पत्रकारों के बीच समन्वय पर चर्चा, पत्रकारों के साथ समय समय पर बैठको का आयोजन, पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण के लिये एसएसआई को नामित किया जाय, थाना क्षेत्र के पत्रकारों का एक रजिस्टर बनाया जाय, रजिस्टर में पत्रकारों का निवास स्थान मोबाइल नंबर दर्ज हो, पत्रकारों की थाने से संबंधित समस्या हो तो वरीयता के साथ निष्पक्ष जांच हो फिर कानूनी कार्रवाई की जाए आदि पर गंभीर चर्चा हुई।

उन्होंने बताया कि सभी मांगों पर अमल किया जाएगा। इस अवसर पर उपनि. राजेन्द्र सिंह, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मण्डल प्रवक्ता/ मीडिया प्रभारी मुहम्मद परवेज अख्तर, तहसील अध्यक्ष अतीक अहमद, नूर आलम सिद्दीकी, टी. एच. सिद्दीकी, इजहार अहमद शाह, अख्तर हुसैन, उबैदुर्रहमान आदि मौजूद रहे।

बरखेड़ा में सपा ने तेज किया जनसंपर्क अभियान, धनपति वर्मा ने संगठन मजबूत करने पर दिया जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरखेड़ा,पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं समाजवादी अधिवक्ता सभा के बरखेड़ा विधानसभा अध्यक्ष धनपति वर्मा एडवोकेट ने शनिवार को 128 विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया।उन्होंने ग्राम रोहतनिया, सखौला, धनकुनी, गुलड़िया दुल्हन, जटपुरा, रफियापुर, महाचन्दी, तुर्कपुर उर्फ बढ़वार, सूरजपुर, दीननगर, हिम्मतनगर उर्फ चिरैदापुर, नवाड़ ऐठपुर सहित कई गांवों का भ्रमण किया।जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा एडवोकेट ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और स्थानीय मुद्दों की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी किसानों, युवाओं, महिलाओं, मजदूरों और आम जनता के हितों की आवाज को मजबूती से उठाती रही है और आगे भी जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेगी।धनपति वर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता आज महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं से परेशान है।

इसके साथ ही कानून-व्यवस्था सहित कई जनहित के मुद्दे भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता की आवाज बनकर गांव-गांव और घर-घर तक पहुंच रही है। आने वाले समय में जनता लोकतांत्रिक तरीके से जनविरोधी नीतियों का जवाब देगी और समाजवादी विचारधारा को मजबूती प्रदान करेगी।उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करें। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, नए लोगों को पार्टी की नीतियों और विचारधारा से जोड़ने तथा लगातार जनसंपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन और जनता के विश्वास के बल पर ही समाजवादी पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान की जा सकती है। जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों और पार्टी कार्यकताओं ने धनपति वर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया। ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया, जिस पर उन्होंने संबंधित मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर ऋषिपाल वर्मा, राम अवतार वर्मा, कामता प्रसाद, सुरेश चन्द्र, वीरेंद्र प्रताप सिंह, राजीव कुमार वर्मा, सतीश कुमार वर्मा, अरमान अली, महेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

तीन दिन से लापता मंदबुद्धि वृद्धा का तालाब में मिला शव, परिजनों में मचा कोहराम

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू में तीन दिन से लापता एक मंदबुद्धि वृद्धा का शव घर के पास स्थित तालाब में तैरता मिला। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने शव को तालाब से बाहर निकालकर बिना किसी कानूनी कार्रवाई के सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी 60 वर्षीय महिला खातून पत्नी याकूब तीन दिन पहले संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई थीं। परिजनों ने गांव के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में उनकी तलाश की। परिजनों ने गांव के चला चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली गई और रिश्तेदारों के यहां भी जानकारी की गई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका।शनिवार सुबह ग्रामीणों ने एक महिला का तालाब में शव तैरता हुआ देखा। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान खातून के रूप में की। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकाला गया।परिजनों ने बताया कि खातून कई वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं और अक्सर घर से बिना बताए निकल जाती थीं। परिजनों को आशंका है कि तालाब में डूबने से उसकी मौत हुई है। परिजनों ने किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं कराई और शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। वृद्धा की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

जटपुरा में लापता सात वर्षीय बच्ची के परिजनों से मिले विधायक बाबूराम पासवान, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जटपुरा में 23 जुलाई को सात वर्षीय बालिका के अचानक लापता होने से हड़कंप मच गया। जंगल से सटा गांव होने के कारण ग्रामीणों में पहले से ही वन्यजीवों का भय बना हुआ है। बालिका के लापता होने के बाद ग्रामीणों ने जंगल के आसपास बाघ देखे जाने की बात कही, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में अनहोनी की आशंका को लेकर दहशत फैल गई। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय विधायक ने तत्काल गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाते हुए ढांढस बंधाया।

ग्रामीणों के अनुसार, बालिका के लापता होने की सूचना मिलने के बाद गांव और आसपास के जंगल क्षेत्र में उसकी तलाश शुरू की गई। काफी खोजबीन के बावजूद बालिका का कोई सुराग नहीं मिल सका। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक ने वन मंत्री अरुण सक्सेना से दूरभाष पर वार्ता कर जंगल से सटे गांवों में सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग कराए जाने की मांग रखी। वन मंत्री ने तार फेंसिंग कराने का आश्वासन दिया।वहीं,विधायक ने पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव से भी दूरभाष पर वार्ता कर बालिका की तलाश के लिए आवश्यक पुलिस सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके बाद डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया गया। पुलिस विभाग के करीब 50 जवानों, वन विभाग के अधिकारियों और रेंजर के साथ ही सैकड़ों ग्रामीणों ने जंगल और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक सर्च अभियान चलाया। टीमों ने संभावित स्थानों पर काफी देर तक खोजबीन की, लेकिन देर तक बालिका का कोई पता नहीं चल सका।बालिका की तलाश के लिए पुलिस और वन विभाग की टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। ग्रामीण भी अपने स्तर से जंगल और आसपास के इलाकों में तलाश में जुटे हुए हैं। घटना के बाद गांव में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है। विधायक ने कहा कि बालिका की सकुशल बरामदगी के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं और संबंधित अधिकारियों से लगातार संपर्क बनाए रखा जा रहा है। उन्होंने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि बालिका की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

पुलिस के हत्थे चढ़ा मादक पदार्थ तस्कर मुकरीम किया चालान

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। पुलिस ने ऑपरेशन सवेरा अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी तस्कर का चालान कर दिया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के कैराना मार्ग स्थित ओवर इंडिया स्कूल के निकट घेराबंदी कर एक संदिग्ध युवक को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 200 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मुकरीम पुत्र याकूब, निवासी सलेमपुर रोड, कस्बा एवं थाना कांधला, जनपद शामली बताया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपी तस्कर का चालान कर दिया है। पुलिस आरोपी से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त से जुड़े फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक की भी गहनता से जांच कर रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। प्रभारी निरक्षक बच्चू सिंह का कहना है कि आरोपी मादक पदार्थ तस्कर काफी दिनों से मादक पदार्थों की तस्करी कर रहा था इसके अन्य सदस्यों की भी तलाश की जा रही है जल्दी उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

छात्रों के समर्थन में आजाद समाज पार्टी व भीम आर्मी का प्रदर्शन, पेपर लीक और जौहर विश्वविद्यालय मुद्दे पर बुलंद की आवाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) एवं भीम आर्मी भारत एकता मिशन के संयुक्त आह्वान पर शनिवार को जिला मुख्यालय पीलीभीत में छात्रों के समर्थन में विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता, छात्र और युवा शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने पेपर लीक की घटनाओं, छात्रों पर कथित लाठीचार्ज, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता तथा जौहर विश्वविद्यालय पर प्रस्तावित बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। इसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर विभिन्न मांगें उठाई गईं।धरने को संबोधित करते हुए आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रदेश सचिव नईम रजा ने कहा कि यह आंदोलन केवल छात्रों का आंदोलन नहीं है, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य, शिक्षा में पारदर्शिता, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा से जुड़ा संघर्ष है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार सामने आ रही पेपर लीक की घटनाओं से लाखों छात्रों की मेहनत और भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मांग की कि पेपर लीक की घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा प्रभावित छात्रों और परिवारों को न्याय और उचित मुआवजा दिया जाए। नईम रजा ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के मामले में जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। जौहर विश्वविद्यालय के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों को राजनीतिक प्रतिशोध का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय पर प्रस्तावित बुलडोजर कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग करते हुए कहा कि शिक्षा के केंद्रों को बचाना और मजबूत करना सरकार की जिम्मेदारी है।प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान भीम आर्मी के प्रदेश कार्यकारी सदस्य राजाराम माथुर, जिला अध्यक्ष प्रेम गौतम, सौरभ भारतीय, नंदकिशोर, सुभाष गंगवार, अमन कुमार गौतम, इरफान अंसारी, आकाश गौतम, अमन मियां, अफसर अली सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, युवा और छात्र शामिल हुए।

पीलीभीत भाजपा कार्यालय पर संत रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर जिला कार्यशाला आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पीलीभीत पर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य रहे, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती ने किया। कार्यशाला में पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संतों एवं महात्माओं के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संतों ने समाज को सदैव मानवता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया है। बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने संत रविदास महाराज के संपूर्ण जीवन पर चर्चा करते हुए उनके जीवन से जुड़ी विभिन्न घटनाओं और समाज के प्रति उनके योगदान को विस्तार से बताया। बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा ने कहा कि 29 जुलाई से पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सभी

कार्यकताओं को मिलकर सक्रिय रूप से सहभागिता करनी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और महापुरुषों एवं संतों का सम्मान करने का कार्य भाजपा द्वारा निरंतर किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी को सक्रिय एवं काम करने वाले कार्यकताओं की आवश्यकता है। यदि कोई कार्यकर्ता अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर पा रहा है तो वह स्वयं अपना दायित्व छोड़ सकता है। उन्होंने कार्यकताओं से पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को पूरी सक्रियता से संपन्न कराने के साथ ही डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर भी सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य रजनीश पांडेय, जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा, महादेव गाईन, अनुराग अग्निहोत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो सोनू वाल्मीकि, पूरनपुर नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता, ललौरीखेड़ा ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार सहित भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यशाला में जिला उपाध्यक्ष नमन प्रताप राजपूत, विकास श्रीवास्तव, रेखा परिहार, अतिंदर पाल सिंह, मनोज गुप्ता, आयुष मिश्रा, जिला मंत्री सत्यपाल वर्मा, अमित कुशवाहा, नागेंद्र सिंह गंगवार, विकास वाल्मीकि, रेनू राज, पंकज तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष विकास पाल, संतोख सिंह संधू, शांति स्वरूप सोनकर, अभिषेक पटेल गोल्डी, हरिओम शर्मा, अभिमन्यु गंगवार, दीपक सोनकर, महेश वर्मा, डालचंद वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घर के बाहर बाइक खड़ी करने को लेकर मारपीट प्रकरण में चार पर मुकदमा दर्ज

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र की नई बस्ती में घर के बाहर मोटरसाइकिल खड़ी करने को लेकर हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ घर में घुसकर हमला करने समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र की नई बस्ती निवासी आबिद खान पुत्र अब्बास अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि विगत 23 जुलाई की रात करीब 8 :30 बजे वह अपने भाई साहिल अहमद के साथ घर पर मौजूद थे। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस निवासी कल्लू पुत्र जाहिद ने उनके घर के गेट से सटाकर मोटरसाइकिल खड़ी कर दी। विरोध करने पर कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसके कुछ ही देर बाद कल्लू, उसका भाई राशिद, वाजिद तथा उनके पिता जाहिद डंडों और धारदार हथियारों से लैस होकर घर में घुस आए और दोनों भाइयों पर हमला कर दिया। हमले में आबिद खान और उनके भाई साहिल अहमद गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर–शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद परिजन दोनों घायलों को लेकर थाने पहुंचे, जहां पुलिस ने उनका चिकित्सीय परीक्षण कराया। तहरीर में बताया गया है कि साहिल अहमद, जो पेशे से चिकित्सक हैं, के सिर में भी गंभीर चोटें आई हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर चारों नामजद आरोपियों के विरुद्ध संबंधित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सावन कांवड़ यात्रा की तैयारियों का डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण, रामघाट व नरौरा घाट पर दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट/बुलंदशहर। शनिवार को आगामी सावन मास में कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कुमार हर्ष और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने शनिवार को डिबाई तहसील क्षेत्र के रामघाट एवं नरौरा घाट का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अतरौली की ओर से आने वाले कांवड़ मार्ग पर सड़क मरम्मत, झाड़ियों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को समय से पहले पूरा कराने के निर्देश दिए। रामघाट पर कांवड़ियों के लिए जल भरने की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए घाट पर मजबूत बैरिकेडिंग, महिलाओं के लिए पर्याप्त चेंजिंग रूम, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गहरे पानी में किसी भी श्रद्धालु को प्रवेश न करने दिया जाए। सुरक्षा के मद्देनजर घाट पर नाव और गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही भीड़ नियंत्रण के लिए कंट्रोल रूम, खोया-पाया केंद्र, मोबाइल शौचालय, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए।

गंगा घाट पर आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सावन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जल लेने आते हैं, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय से समय रहते तैयारियां पूरी करें।

व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस बल के साथ स्वयंसेवकों (वॉलंटियर्स) की भी तैनाती की जाए। वाहनों की पार्किंग केवल निर्धारित स्थलों पर कराई जाए तथा यातायात को रूट डायवर्जन प्लान के अनुसार संचालित किया जाए। इसके बाद अधिकारियों ने नरौरा गंगा घाट का भी निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसपी देहात अंतरिक्ष जैन, उपजिलाधिकारी मनीष कुमार, क्षेत्राधिकारी मधुप सिंह थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार शुक्ला सहित संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

क्षेत्र में पहली बार 1000 विधवा एवं दिव्यांग महिलाओं को एक साथ कुकर वितरण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

चांदपुर। आभा फाउंडेशन ने जनसेवा के क्षेत्र में एक और बड़ी मिसाल कायम की। चांदपुर विधानसभा के फीना गांव में आयोजित भव्य कुकर वितरण कार्यक्रम में पंजीकरण के आधार पर 1000 विधवा एवं दिव्यांग महिलाओं को निःशुल्क प्रेशर कुकर वितरित किए गए। क्षेत्र में पहली बार इतने बड़े स्तर पर विधवा एवं दिव्यांग महिलाओं के लिए इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय सांसद चंदन चौहान ने आभा फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की प्रशंसा करते हुए संस्था के प्रयासों को सराहनीय बताया।

धामपुर विधायक अशोक राणा ने भी फाउंडेशन की जमकर तारीफ की और कहा कि जरूरतमंदों तक सीधे सहायता पहुंचाने के ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। आभा सिंह के नेतृत्व में लगातार बढ़ रहा सेवा का कारवां आभा फाउंडेशन की संस्थापिका आभा सिंह के नेतृत्व में संस्था लगातार जरूरतमंदों की सेवा में कार्य कर रही है। फाउंडेशन द्वारा अब तक निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, मोतियाबिंद ऑपरेशन, चश्मा एवं दवा वितरण, बेटियों को साइकिल वितरण, महिलाओं को सिलाई मशीन वितरण, रजाई वितरण, सामूहिक विवाह तथा विधवा एवं दिव्यांग महिलाओं की सहायता जैसे अनेक जनकल्याणकारी कार्य किए जा चुके हैं।

आभा सिंह ने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों तक वास्तविक सहायता पहुंचाना है और जनसेवा की यह मुहिम आने वाले समय में और बड़े स्तर पर जारी रहेगी।

कार्यक्रम में वीरेंद्र सिंह, वीर सिंह (शिवसेना अध्यक्ष), हनी तोमर (युवा क्षेत्रीय अध्यक्ष, रुहेलखंड), अजीत सिंह, धर्मपाल सिंह, दयावीर प्रजापति, आशीष, ओमपाल कश्यप (रालोद जिला प्रमुख), रालोद संयोजक संजीव राठी, विजयपाल सिंह, यशवीर एडवोकेट, यशपाल सिंह, मुनीश कुमार (समाजसेवी), गौरव, यशवीर चौहान एवं राजेश खन्ना सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आभा फाउंडेशन की संस्थापिका आभा सिंह के परिवार की भी विशेष सहभागिता रही। उनके पुत्र आदित्य राज सिंह, पुत्रवधू रिया सिंह एवं पुत्री वसुंधरा राज ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर फाउंडेशन के सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता की। 1000 विधवा एवं दिव्यांग महिलाओं के चेहरों पर खुशी के साथ संपन्न हुआ यह आयोजन क्षेत्र में जनसेवा की एक नई मिसाल बन गया।

14 वर्षीय किशोर रहस्यमय परिस्थितियों में लापता, परिजनों ने दर्ज कराई गुमशुदगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़/बुलंदशहर। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव सेंदगढ़ी निवासी 14 वर्षीय किशोर के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव सेंदगढ़ी निवासी रीना पत्नी कृपालपुरी ने थाना अहमदगढ़ में दी गई तहरीर में बताया कि उनका 14 वर्षीय पुत्र कल्लू पुरी 14 जुलाई 2026 को सेंदगढ़ी मेले में गया था।

इसके बाद से वह घर वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच उपनिरीक्षक अनीस अहमद को सौंपी है। पुलिस किशोर की तलाश में जुटी है तथा आसपास के क्षेत्रों में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त किशोर के संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल थाना अहमदगढ़ पुलिस को सूचित करें, जिससे उसे सकुशल परिजनों से मिलाया जा सके।

105 वर्ष की दीघार्यु पूर्ण कर पंडित देवनाथ चौबे ने ली अंतिम सांस: चोलापुर और गाजीपुर क्षेत्र में शोक की लहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी मिजार्मुराद। वाराणसी जिले के चोलापुर स्थित भदवा गाँव (जन्मभूमि) के मूल निवासी तथा गाजीपुर के कन्हहईपुर गाँव को अपनी कर्मभूमि बनाने वाले वरिष्ठ समाज सेवी और पंडित श्री देवनाथ चौबे का शनिवार, 25 जुलाई 2026 को दोपहर 1:30 बजे 105 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उनके निधन की खबर से वाराणसी और गाजीपुर दोनों ही क्षेत्रों में गहरा शोक छा गया है। एक सदी के जीवन का अंत, अपने पीछे छोड़ गए भरा-पूरा परिवार105 वर्षों का

लंबा, संघर्षशील और प्रेरणादायक जीवन जीने वाले देवनाथ चौबे जी अपने आप में एक जीवित इतिहास थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में समाज, कृषि और अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि के विकास में अहम योगदान दिया।

अपने मिलनसार स्वभाव और अनुभवों की वजह से वे क्षेत्र के सभी वर्गों के बीच अत्यंत लोकप्रिय और सम्मानित थे।

उनके देहांत की सूचना मिलते ही भदवा और कन्हईपुर गाँव सहित आसपास के क्षेत्रों से लोगों का अंतिम दर्शन के लिए उनके निवास स्थान पर जुटना शुरू हो गया। परिजनों और क्षेत्रवासियों में शोकदेवनाथ चौबे जी अपने पीछे एक भरा-पूरा एवं सुसंस्कृत परिवार छोड़ गए हैं। परिजनों ने बताया कि उम्र के इस पड़ाव पर भी वे सदैव सभी को सही मार्ग दिखाने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की सीख दिया करते थे। उनके निधन को दोनों ही गाँवों के लोग एक युग के अंत के रूप में देख रहे हैं।

क्षेत्रीय गणमान्य व्यक्तियों, ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। शत-शत नमन एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि!

दिशा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में एमएलसी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों का संवाद कार्यक्रम आयोजित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

धामपुर। दिशा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, धामपुर में बरेलीझ मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) डॉ. हरि सिंह ढिल्लों ने संस्था के फैकल्टी एवं स्टाफ सदस्यों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. हरि सिंह ढिल्लों ने उत्तर प्रदेश सरकार एवं अपने स्तर पर विद्यालयों और शिक्षकों के हित में किए गए विभिन्न कार्यों की जानकारी दी।

उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षकों के लिए संचालित निःशुल्क कैशलेस चिकित्सा सुविधा पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक शिक्षकों से इस योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. एन.पी. सिंह, सहकारी गन्ना विकास समिति धामपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह तथा भाजपा जिला उपाध्यक्ष रवि चौधरी भी मौजूद रहे।

संस्था की ओर से महासचिव मुकेश कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव अनिरुद्ध अग्रवाल एवं रजिस्ट्रार राजीव कुमार ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में एकेडमिक इंचार्ज अमित कुमार बिश्नोई, प्राचार्य डॉ. विमल कुमार भारती, डॉ. दुष्यंत कुमार जैन, विभागाध्यक्ष ब्रिजनेश सिसोदिया, गौरव मालिक, नरेश पाल, अक्षय वर्मा सहित सभी विभागों के फैकल्टी एवं स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि का स्वागत रश्मि शर्मा एवं मंशा अग्रवाल ने तिलक एवं बैज लगाकर किया। कार्यक्रम का संचालन प्रभात कुमार ने किया। अंत में रजिस्ट्रार राजीव कुमार ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं उपस्थित सभी फैकल्टी और स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

31 जुलाई तक 4647 नए नामांकन का लक्ष्य पूरा करें : मोहित कुमार

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा। खंड विकास कार्यालय सभागार में शनिवार को बीईओ भगतपुर-टांडा मोहित कुमार की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक हुई। इसमें सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व इंचार्ज अध्यापक शामिल हुए। बीईओ ने पिछले वर्ष की तुलना में नामांकन में 10 प्रतिशत वृद्धि और 31 जुलाई से पहले 4647 नवीन नामांकन का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। प्रत्येक बच्चे की अपार आईडी, यू-डायस पोर्टल पर शत-प्रतिशत कार्य और निपुण प्लस एप पर प्रथम व द्वितीय सप्ताह में बच्चों का आकलन कराने को कहा। शिक्षक संदर्शिका के अनुसार शिक्षण, नियमित शिक्षक डायरी, बेसलाइन आकलन, प्रमोशन वेरिफिकेशन और स्कूल चलो अभियान पूरा कराने पर जोर दिया। जर्जर भवनों में बच्चों को न बैठाने तथा फैमिली आईडी, जियो-टैगिंग और इको क्लब के कार्यों में लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी। एआरपी श्रवण कुमार ने शिक्षा संदर्शिका के प्रयोग, बाल वाटिका व आंगनबाड़ी के कार्य, रिपोर्ट कार्ड संरक्षण एवं बेसलाइन आकलन पर जानकारी दी। एआरपी विनय कुमार ने इको क्लब व जियो-टैगिंग तथा एआरपी करन चौहान ने गोद लिए गए विद्यालयों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

पंजाब के बबराला में सफाई कर्मचारियों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। पंजाब के बबराला में सफाई कर्मचारियों के आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के विरोध में मुरादाबाद में भी आवाज बुलंद हुई है। राष्ट्रीय दलित पिछड़ा वर्ग संगठन से जुड़े लोगों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। रोहित बाल्मीकि प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व संगठन से जुड़े 60 से 70 लोगो ने सिविल लाइन के अम्बेडकर पार्क पास चौराहे पर पंजाब सरकार का पुतला दहन किया व पंजाब पुलिस के खिलाफ जमकर नारे बाजी की जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष रोहित बाल्मीकि ने बताया कि 23 जुलाई को बबराला में सफाई कर्मचारी अपने अधिकारों को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे। आरोप है कि

बबराला पुलिस ने बिना किसी कारण के प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया। इस लाठीचार्ज में कई महिलाएं और पुरुष सफाई कर्मचारी घायल हो गए। प्रदेश अध्यक्ष ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, 'जब घायल लोग इलाज के लिए अस्पताल जा रहे थे, तब रास्ते में भी पुलिस ने दोबारा उन पर लाठीचार्ज किया।' उन्होंने इस पूरी घटना को अमानवीय और निंदनीय बताया। इस मामले को लेकर संगठन ने अब मोर्चा खोल दिया है। हम इस घटना की शिकायत राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय महिला आयोग से करेंगे। हमारी मांग है कि बबराला में लाठीचार्ज करने वाले दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाए और पीड़ितों को मुआवजा दिया जाए।

यूनिवर्सल एकेडमी में अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिजनौर। यूनिवर्सल एकेडमी, बिजनौर में नव शैक्षिक सत्र 2026-27 के छात्र परिषद के गठन हेतु अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि धर्मेंद्र सक्सेना, जिला विद्यालय निरीक्षक, बिजनौर तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. निशांत यादव रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक राकेश कर्णवाल, प्रबंध समिति के सदस्य शुभम कर्णवाल, प्रधानाचार्य डॉ. अनुज त्यागी, उपप्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके पश्चात विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं मार्च-पास्ट का शानदार प्रदर्शन किया। समारोह में छात्र परिषद के विभिन्न पदों पर चयनित विद्यार्थियों को बैज एवं सैश पहनाकर सम्मानित किया गया तथा। उपप्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल ने सभी नव-निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि धर्मेंद्र सक्सेना ने विद्यार्थियों को नेतृत्व, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी। प्रधानाचार्य डॉ. अनुज त्यागी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व एवं अनुशासन की भावना का विकास करना है। कार्यक्रम का संचालन दिया एवं खुशी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में एक्टिविटी इंचार्ज अभिलाष, अनीता चौधरी, कोऑर्डिनेटर कविता शर्मा, अजीत चौधरी, ओम, नितिन चौधरी, संगीत विभाग से संजय, नितिन, कंटेंट क्रिएटर शिक्षक सूरज एवं रिकूल सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ।

अवैध खनन पर खनन विभाग का बड़ा एक्शन, 1 लोडर व 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। बुलंदशहर जनपद में अवैध खनन के खिलाफ खनन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मिट्टी का अवैध खनन कर रहे एक लोडर और तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। संयुक्त कार्रवाई के दौरान सभी वाहनों को कब्जे में लेकर सलेमपुर थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया, जबकि मौके का फायदा उठाकर खनन माफिया फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, खनन अधिकारी बृजमोहन के नेतृत्व में की गई छापेमारी में गांव बदनौरा के जंगल

में रात के अंधेरे में अवैध मिट्टी खनन किए जाने की सूचना पर कार्रवाई की गई। टीम ने मौके से एक लोडर मशीन और तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया। जिला खनन अधिकारी बृजमोहन ने कहा कि जनपद में अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। खनन विभाग और सलेमपुर थाना प्रभारी नितिन जावला की इस संयुक्त कार्रवाई से अवैध खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। थाना पुलिस मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म का आरोप, पुलिस से कार्रवाई की मांग

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ शादी का झांसा देकर लंबे समय तक दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पीड़ित ने आरोपियों से जान का खतरा बताते हुए मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। कस्बे के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति का आरोप है कि उसकी बड़ी बेटी की शादी गढीपुख्ता क्षेत्र के एक गांव में हुई है, आरोप है की उसकी बड़ी बेटी के देवर का उनके घर आना–जाना था। इसी दौरान उसने उसकी दूसरी नाबालिग बेटी को अपने प्रेमजाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया। आरोप है कि आरोपी ने कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया और बातचीत के लिए मोबाइल फोन व सिम भी उपलब्ध कराया।जब परिजनों को मामले की जानकारी हुई और उन्होंने बेटी से पूछताछ की तो पूरे घटनाक्रम का पता चला। इसके बाद परिजनों ने आरोपी के परिवार से बात की, लेकिन आरोप है कि वहां से उन्हें धमकियां दी गईं। पीड़ित का कहना है कि विरोध करने पर बेटी को जबरन ले जाने और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। शनिवार को पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

डीएम एवं एसपी ने बाबा भयहरणनाथ धाम का निरीक्षण कर परखी श्रावण माह कांवड़ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। आगामी पवित्र श्रावण माह एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों की सुरक्षा, सुगम आवागमन तथा सुदृढ़ कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर द्वारा बाबा भयहरणनाथ धाम का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर, प्रवेश एवं निकास मार्ग, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, यातायात प्रबंधन,

सीसीटीवी निगरानी, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा सुविधा तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली जाएं तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा मंदिर परिसर में उपस्थित सभ्रांत नागरिकों, मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी श्रावण माह एवं कांवड़ यात्रा की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में प्राप्त सुझावों के आधार पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रावण माह एवं कांवड़ यात्रा के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सतत गश्त, प्रभावी यातायात प्रबंधन तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी सुनिश्चित की जाए। असामाजिक एवं अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने तथा प्रत्येक व्यवस्था का नियमित अनुश्रवण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे श्रावण माह एवं कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो सके। इस अवसर पर डीएम एवं एसपी द्वारा बाबा भयहरणनाथ धाम में पूजा-अर्चना भी की गई। इस दौरान पुलिस एवं प्रशासन के संबंधित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एसआरएमआईएसटी में देशभक्ति के साथ मनाया गया कारगिल विजय दिवस

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और अमर बलिदान को नमन करते हुए एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी , दिल्ली-एनसीआर कैंपस, गाजियाबाद के प्रतिष्ठित पीटर एफ. ड्रकर हॉल में को 'कारगिल विजय दिवस' अत्यंत भव्यता और देशभक्ति की भावना के साथ आयोजित किया गया। राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों की स्मृति में आयोजित इस गरिमामयी समारोह ने पूरे परिसर को राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग दिया, जिसमें संस्थान के निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन, डीन, संकाय सदस्यों, प्रशासनिक अधिकारियों, भारी संख्या में एनसी कैडेटों और ऊजार्वान छात्रों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। भारतीय सेना के गौरवशाली इतिहास को समर्पित इस समारोह में आरवीसी सेंटर एंड कॉलेज, मेरठ छावनी से मुख्य अतिथि के रूप में सीनियर इंस्ट्रक्टर (वेटरनरी ट्रेनिंग) कर्नल मोहद. आदिल याकूब और सम्मानित अतिथि के रूप में इंस्ट्रक्टर (वेटरनरी ट्रेनिंग) लेफ्टिनेंट कर्नल मुकेश सिहाग ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ शुरू हुआ यह पूरा दिन प्रेरणा और सम्मान से ओत-प्रोत रहा, जिसकी शुरूआत सुबह ठीक दस बजे मुख्य अतिथि के आगमन पर एक भव्य और औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई। इसके पश्चात अकादमिक ब्लॉक में आयोजित भावुक पुष्पांजलि समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों और अधिकारियों ने कारगिल के वीर सपूतों को नम आँखों से अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि के बाद सभी गणमान्य अतिथि और प्रतिभागी एक अनुशासित जुलूस के रूप में पीटर एफ. ड्रकर हॉल की ओर अग्रसर हुए, जहाँ मुख्य सांस्कृतिक और वैचारिक सत्र का आगाज हुआ।

डीन - कैंपस लाइफ डॉ. नवीन अहलावत ने अतिथियों का अभिनंदन करते हुए युवाओं के दिलों में देशभक्ति और राष्ट्रधर्म की अलख जगाने के महत्व पर विशेष बल दिया, जिसके बाद डीन डॉ. आर.पी. महापात्रा और डीन आईक्यूएसी डॉ. धौम्या भट्ट ने अपने संस्थागत संबोधनों में भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति अटूट कृतज्ञता व्यक्त करते हुए देश की सुरक्षा में उनके अद्वितीय योगदान को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि द्वारा सेवानिवृत्त एक्स-सर्विसमैन एवं मैनेजर स्टूडेंट सुपरवाइजर सूबेदार मेजर मुकेश कुमार सिन्हा को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

गेस्ट ऑफ हॉनर लेफ्टिनेंट कर्नल मुकेश सिहाग और मुख्य अतिथि कर्नल मोहद. आदिल याकूब ने कारगिल युद्ध के रोमांचक व संघर्षपूर्ण संस्मरण साझा किए, जिनके शक्तिशाली और प्रेरणादायी शब्दों ने छात्र-छात्राओं में देश के प्रति कुछ कर गुजरने का जज्बा भर दिया।

इस भव्य और ऐतिहासिक आयोजन को मूर्त रूप देने में समर्पित प्रबंधन और समन्वय टीम का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिसमें रसायन विज्ञान विभाग की डॉ. पल्लवी जैन, ईसीई विभाग की डॉ. रूपाली सिंह और एनसी अधिकारी ए. कथिरेशन प्रोग्राम मैनेजमेंट टीम के रूप में शामिल रहे, जबकि एनसीसी इंस्ट्रक्टर देवराज सिरधाना एवं ज्योति सचदेवा ने इवेंट कोऑर्डिनेटर तथा एचएम विभाग की हर्षिता खुराना ने कुशल मंच संचालक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह प्रेरणादायी आयोजन संस्थान के एनसी अधिकारी ए. कथिरेशन द्वारा प्रस्तुत किए गए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ, जिसके पश्चात पूरे हॉल में गूँजते हुए राष्ट्रगान की स्वरलहरियों और 'भारत माता की जय' के गगनभेदी नारों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसने सभी के हृदयों को राष्ट्रभक्ति की ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

भाजयुमो के प्रदेश मंत्री अरुण यादव 30 जुलाई तक जनपद में करेंगे लगातार प्रवास

- डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म को मजबूत करना एवं संगठनात्मक गतिविधियों को गति देना रहेगा प्रमुख उद्देश्य

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष हिमांशु शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजयुमो के आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों के तहत प्रदेश मंत्री अरुण यादव 30 जुलाई 2026 तक जनपद में लगातार प्रवास करेंगे। अपने प्रवास के दौरान प्रदेश मंत्री जिले के प्रत्येक मंडल में जाकर मंडल स्तरीय बैठकें करेंगे तथा जिला पदाधिकारियों से भी संवाद कर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस प्रवास का प्रमुख उद्देश्य डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म को अधिक प्रभावी एवं मजबूत बनाना, संगठनात्मक कार्यों को गति देना तथा जिला अध्यक्ष पद के संभावित उम्मीदवारों से संवाद एवं मुलाकात करना रहेगा। जिला अध्यक्ष हिमांशु शर्मा ने कहा कि प्रदेश मंत्री अरुण यादव जी का यह प्रवास युवा मोर्चा के संगठन को और अधिक मजबूत करने, कार्यकताओं को सक्रिय करने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यों को प्रभावी दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आर.के.जी. ग्लोबल स्कूल में नवनिर्वाचित छात्र-नेताओं के सम्मान हेतु इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आर.के.जी. ग्लोबल स्कूल, राजनगर, गाज़ियाबाद में छात्र परिषद के नवनिर्वाचित छात्र-नेताओं के सम्मान हेतु इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन विद्यालय प्रांगण में अत्यंत भव्य एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। 'सच्चा नेतृत्व वही है जो दूसरों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दे, न कि केवल पद की शोभा बढ़ाए।'

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके पश्चात दीप्रज्वलन वाइस चेयरवुमेन आँचल गोयल एवं डायरेक्टर प्रिंसिपल कैप्टन डॉ्ट्ट दिनिशा भारद्वाज सिंह ने संपन्न की । तत्पश्चात दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की वंदना के साथ कार्यक्रम को औपचारिक रूप से प्रारंभ किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुति के उपरांत नवनिर्वाचित छात्र-नेताओं को मंच पर आमंत्रित किया गया। उन्हें उनके-अपने नेतृत्व पदों के अनुसार बैज प्रदान किए गए। इसके पश्चात विभिन्न सदनों (हाउस) के पदाधिकारियों, हेड बॉय एवं हेड गर्ल को उनके दायित्वों के प्रतीक स्वरूप ध्वज सौंपे गए। ध्वज ग्रहण करने के बाद सभी छात्र-नेताओं ने अनुशासित रूप से मार्च पास्ट किया। इसके पश्चात संगीत अध्यापक एवं विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक बैंड प्रस्तुति दी गई, जिसने पूरे वातावरण को उत्साह से भर दिया। इसके बाद सभी छात्र-नेताओं को पुनः मंच पर बुलाया गया, जहाँ उन्होंने अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों के निर्वहन हेतु शपथ ग्रहण किया। शपथ के उपरांत एक बार पुनः मार्च पास्ट का आयोजन किया गया। अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या महोदया ने सभी छात्र-नेताओं को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें ईमानदारी, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा-भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। उनके प्रेरणादायी संबोधन के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। यह समारोह विद्यार्थियों में नेतृत्व, अनुशासन, उत्तरदायित्व एवं टीम भावना के विकास हेतु एक अत्यंत प्रेरणादायक एवं अविस्मरणीय आयोजन सिद्ध हुआ। सुविचारः सपने वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते। आप सभी विद्यार्थी अपने सपनों को मेहनत, लगन और ईमानदारी से साकार करें। उज्ज्वल भविष्य की अनंत शुभकामनाएँ।

ब्राह्मण महासभा का गांव की ओर चलो कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा पंजीकृत 258 के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी डी शर्मा की अध्यक्षता में गांव की ओर चलो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन 25 जुलाई 2026 को पूठरी मुरादनगर, गाजियाबाद से प्रारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में ब्राह्मण बंधु ग्राम पूठरी में एकत्रित हुए तथा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद हितेषी , राष्ट्रीय सचिव हुकम चंद शर्मा, युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिन्मय भारद्वाज के अतिरिक्त जिला गाजियाबाद के अध्यक्ष के बुद्ध प्रकाश शर्मा,महानगर के अध्यक्ष नीरज कौशिक, मेरठ के महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष प्रमोद पांडे, प्रवेश पालीवाल , संदीप वशिष्ठ , विजय शर्मा,हेमंत शर्मा , विश्वास , विशाल वशिष्ठ, दीपांशु कौशिक , चेतन शर्मा , सुभाष शर्मा ,भूपेंद्र शर्मा , मनोज शर्मा , मनोज तिवारी,योगेंद्र शर्मा , रजापुर ब्लॉक अध्यक्ष गणेश शर्मा , जिला पंचायत पतला अध्यक्ष शैकी शर्मा , गाजियाबाद के जिला गाजियाबाद के महामंत्री लोकेश कौशिक ,मोदीनगर के अध्यक्ष हरेंद्र शर्मा , सुनील शर्मा पतला , आचार्य चतर सैन शास्त्री मनोज शर्मा, कुंवर पाल छाबड़िया, राजकुमार सरधना, शिव कुमार सैतली कार्यक्रम का आयोजन पूठरी विधानसभा अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने किया विधानसभा महामंत्री योगेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर में क्षय रोग (टीबी) से ग्रसित मरीजों को पोषण पोटली वितरित की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर में विधायिका डॉ. मंजू सिवाच द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत क्षय रोग (टीबी) से ग्रसित मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। इस अवसर पर उन्होंने मरीजों से आत्मीय संवाद करते हुए नियमित रूप से दवा लेने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार ग्रहण करने तथा चिकित्सकों द्वारा दिए गए परामर्श का पालन करने का आग्रह किया।

अपने संबोधन में विधायिका डॉ. मंजू सिवाच ने कहा कि 'टीबी एक पूर्णतः उपचार योग्य बीमारी है। यदि मरीज समय पर जांच कराकर नियमित रूप से दवाइयों का सेवन करें और पौष्टिक आहार लें, तो वे पूरी तरह स्वस्थ हो सकते हैं। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनभागीदारी का अभियान है। समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को टीबी मरीजों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए, जिससे हम सभी मिलकर टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार कर सकें। सरकार प्रत्येक नागरिक को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।' कार्यक्रम के उपरांत माननीय विधायिका ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, दवा वितरण कक्ष, प्रयोगशाला, प्रसव कक्ष, टीकाकरण कक्ष, स्वच्छता व्यवस्था तथा मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से भी बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के पश्चात उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर की व्यवस्थाओं, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए चिकित्सा अधिकारियों एवं समस्त स्वास्थ्य कर्मियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों की निष्ठा और सेवा भाव से आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं और इसी समर्पण के साथ कार्य करते रहना चाहिए। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवि शर्मा ने स्वास्थ्य केंद्र पर संचालित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, टीबी उन्मूलन अभियान, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, नियमित टीकाकरण तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी माननीय विधायिका को दी। उन्होंने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर पर आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, अधिकारी, कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नंदग्राम थाने के हेड कांस्टेबल ने फंदा लगाकर दी जान, पुलिस हर पहलू से कर रही जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नंदग्राम थाने में तैनात एक हेड कांस्टेबल का शव शुक्रवार देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में उनके किराए के मकान में फंदे से लटका मिलने से पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

एसीपी मसूरी सुनील कुमार ने बताया कि मृतक हेड कांस्टेबल पवन राठी (28 वर्ष) मूल रूप से जनपद बिजनौर के थाना चांदपुर क्षेत्र के ग्राम मीरपुर के निवासी थे। वर्तमान में उनकी तैनाती नंदग्राम थाने में थी और वे गाजियाबाद के आकाश नगर स्थित एक किराए के मकान में रह रहे थे। उनकी पत्नी अनुराधा, जो स्वयं हेड कांस्टेबल हैं, पुलिस मुख्यालय गाजियाबाद में तैनात हैं। दोनों का विवाह लगभग छह वर्ष पूर्व हुआ था। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह अनुराधा अपनी नियमित ड्यूटी के लिए घर से निकली थीं। शाम को जब वह वापस लौटीं तो उन्होंने देखा कि पवन राठी घर की सीढ़ियों के पास लगी लोहे की रेलिंग से रस्सी के सहारे लटके हुए थे। यह दृश्य देखकर उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से प्राप्त परिस्थितियों और अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण कर रही है।

मॉडल कंपोजिट विद्यालय में भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गांव (डिडवारी) उर्फ चितौड़ा में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक धर्मेश तोमर के साथ चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी, प्रदेश अध्यक्ष सहकारिता राष्ट्रीय लोकदल जितेंद्र सिंह पूर्व जिला महामंत्री भाजपा व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी सिंह यादव ने सहभागिता करते हुए विधि विधान से भूमिपूजन किया कार्यक्रम की अध्यक्षता दिलावर सिंह ने की और संचालन शिक्षाविदित पूनम शर्मा जी ने किया भूमिपूजन कर वक्ताओं ने सभी को संबोधित किया सर्वप्रथम बेसिक शिक्षा जिला अधिकारी ओपी सिंह यादव ने सबको सम्मानित करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की, उसके बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक धर्मेश तोमर ने कहा मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण क्षेत्र के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और संस्कारयुक्त शिक्षा उपलब्ध कराना है। यह विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं प्रदान करेगा, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर मिलेंगे।

चैयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी प्रदेश अध्यक्ष सहकारिता ने कहा कि मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर क्षेत्र के बच्चे अपने माता-पिता, गाँव, जनपद गाजियाबाद तथा प्रदेश का नाम देश-विदेश में रोशन करेंगे क्षेत्र से आए सभी लोगों का धन्यवाद किया इस अवसर पर मुख्य रूप से अरविंद प्रधान' अरुण प्रधान' तसव्वर प्रधान' मंडल अध्यक्ष जलालाबाद नीरज सिंह' देविंदर सांगवान मंडल मंत्री' पूर्व प्रधान अजीत सिंह' पूर्व प्रधान सुंदरपाल सिंह' पूर्व प्रधान प्रदीप मुखिया, पूर्व प्रधान ब्रजपाल सिंह' डायरेक्टर इंद्रपाल सिंह' ओमकार मुखिया' हरिंदर फौजी, सुशील कुमार' ऋषिपाल सिंह, मनोज कुमार, उदेश कुमार, समरजीत सिंह' समीर चौधरी' सुरिंदर सिंह' मा. योगिंदर सिंह' विनीत कुमार' जुगंदर सिंह' सोनपाल सिंह' नीरज सिंह' नरेन्द्र सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी रजापुर श्रीमती कविता चौहान, जिला समन्वयक निर्माण विश्वास गौतम, जिला व्यायाम शिक्षक राजकुमार, अमित चौधरी, हारून आदि सैकड़ों लोगों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की।

बेखौफ चोरों का धावा: बंद मकान से 50 हजार की नकदी और मोबाइल लेकर फरार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र के लाल कुआं स्थित शंकर विहार कॉलोनी में चोरी की एक वारदात सामने आने से स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। अज्ञात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये की नकदी और मोबाइल फोन चोरी कर लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने वेव सिटी थाने में लिखित शिकायत देकर पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है। पीड़ित सुंदर सैनी, पुत्र हरस्वरूप सैनी, मूल रूप से जनपद बुलंदशहर के कस्बा खानपुर के निवासी हैं और वर्तमान में लाल कुआं स्थित शंकर विहार कॉलोनी में रह रहे हैं। उन्होंने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 17 जुलाई की रात अज्ञात चोर उनके घर में घुस आए और वहां रखी 50 हजार रुपये की नकदी तथा वीवो कंपनी का मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गए। वारदात का पता चलने पर उन्होंने आसपास के लोगों को सूचना दी और बाद में पुलिस से मदद की गुहार लगाई। पीड़ित का कहना है कि चोरी की इस घटना से परिवार को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ मानसिक परेशानी का भी सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पुलिस से मांग की है कि मामले का शीघ्र खुलासा कर अज्ञात चोरों को गिरफ्तार किया जाए तथा चोरी हुई नकदी और मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें वापस दिलाया जाए। घटना की सूचना मिलने के बाद वेव सिटी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संभावित संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही स्थानीय लोगों से भी पूछताछ कर घटनाक्रम के संबंध में सुराग तलाशे जा रहे हैं।

मेट्रो में पलक झपकते मोबाइल उड़ाने वाला गिरोह बेनकाब

साहिबाबाद पुलिस की सटीक कार्रवाई, महिला समेत 5 गिरफ्तार; चोरी के 5 फोन बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मेट्रो और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी करने वाले गिरोह का साहिबाबाद पुलिस ने पदार्फाश किया है।

थाना साहिबाबाद पुलिस, सर्विलांस सेल और स्वाट टीम ट्रांस हिंडन की संयुक्त कार्रवाई में गिरोह के चार सदस्यों समेत एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 23 जुलाई को नोएडा निवासी अंकित श्रीवास्तव ने शिकायत दी थी कि दिल्ली से गाजियाबाद मेट्रो से सफर के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर उनका आईफोन-13 चोरी कर लिया गया। मामले के खुलासे के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने मेट्रो स्टेशन, आसपास के रास्तों और संभावित ठिकानों पर लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने 25 जुलाई की रात शालीमार गार्डन ईएसआई कट के पास घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से बरामद मोबाइल फोन चोरी की घटनाओं से जुड़े हैं। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धाराओं की बढ़ोतरी कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी किए गए मोबाइलों के नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

महर्षि कश्यप वंशज समाज ने वीरांगना फूलन देवी की 26 वी पुण्यतिथि मनाई

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। परशुराम धर्मशाला में महर्षि कश्यप वंसज समाज द्वारा वीरांगना एवं पूर्व सांसद स्व फूलन देवी की 26वीं पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप मे मनाई कार्यक्रम मे उपस्थित सर्व समाज के लोगो ने वीरांगना फूलन देवी चित्र के समक्ष श्रदा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके जीवन संघर्ष और महिला सशक्तिकरण में दिए गए योगदान को याद किया।

वक्ताओं ने कहा कि फूलन देवी ने कठिन परिस्थितियों मे डटकर सामना करते हुए समाज में अपनी अलग पहचान बनाई।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी दिग्विजय कश्यप संचालन पंकज माहेश्वरी और कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान राजेंद्र कश्यप द्वारा किया गया इस दौरान मुख्य रूप से देवव्रत धामा,सुनिल शर्मा,महावीर गुर्जर, संजय सोनी, प्रविंद्र चौधरी, चाँदवीर चौधरी,आत्म प्रकाश शर्मा,मनोज सोनी, प्रदीप पतला,फारुख मलिक, फिरोज सीकरी,राजेश जाटव, राजेंद्र कश्यप प्रधान,सालिम तोमर प्रविंद्र पट्टी,पंकज कश्यप, योगेंद्र कश्यप, फिरोज चौहान,देवी दयाल,नगेंद्र कश्यप, दीपक वाल्मीकि,फिरोज चौहान,विजय कश्यप, श्यामवीर, मंजीत नेहरा, कश्यप,लोकेश कश्यप आदि मौजूद रहे।

चितौड़ा में शिक्षा की नई नींव: मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का हुआ भूमिपूजन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिले के गांव डिडवारी उर्फ चितौड़ा में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक धर्मेश तोमर ने चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी, राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष (सहकारिता) जितेंद्र सिंह एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. सिंह यादव के साथ वैदिक रीति-रिवाज से भूमिपूजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिलावर सिंह ने तथा संचालन शिक्षाविद् पूनम शर्मा ने किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. सिंह यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अपने संबोधन में विधायक धर्मेश तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और संस्कारयुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं मिलेंगी और उनके भविष्य को नई दिशा मिलेगी। चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा कि यह विद्यालय क्षेत्र के बच्चों के लिए वरदान साबित होगा। यहां से शिक्षा प्राप्त कर छात्र-छात्राएं अपने गांव, जनपद, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर अरविंद प्रधान, अरुण प्रधान, तसव्वर प्रधान, नीरज सिंह, देवेंद्र सांगवान, अजीत सिंह, सुंदरपाल सिंह, प्रदीप मुखिया, ब्रजपाल सिंह, इंद्रपाल सिंह, ओमकार मुखिया, हरिंदर फौजी, सुशील कुमार, ऋषिपाल सिंह, मनोज कुमार, उदेश कुमार, समरजीत सिंह, समीर चौधरी, सुरिंदर सिंह, योगिंदर सिंह, विनीत कुमार, जुगंदर सिंह, सोनपाल सिंह, नरेंद्र सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी कविता चौहान, जिला समन्वयक (निर्माण) विश्वास गौतम, जिला व्यायाम शिक्षक राजकुमार, अमित चौधरी, हारून सहित क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

चौधरी जयंत सिंह को शिक्षा मंत्री बनाने की मांग, इंदरजीत सिंह टीटू ने प्रधानमंत्री से किया आग्रह

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कौशल विकास और उद्यमिता विभाग के स्वतंत्र प्रभार का मंत्रालय संभाल रहे चौधरी जयंत सिंह को केंद्रीय शिक्षा मंत्री बनाए जाने की मांग उठाई गई है। इंदरजीत सिंह टीटू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करते हुए कहा कि चौधरी जयंत सिंह की कार्यक्षमता, साफ छवि और पिछले दो वर्षों के कार्यकाल को देखते हुए उन्हें शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए।

इंदरजीत सिंह टीटू ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी किसी सक्षम और योग्य व्यक्ति को दिया जाना आवश्यक है। देश के युवा, किसान और मजदूर परिवारों से आने वाले बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए चौधरी जयंत सिंह इस जिम्मेदारी के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि चौधरी जयंत सिंह ने कौशल विकास और उद्यमिता के क्षेत्र में अपनी कार्यशैली और काबिलियत का परिचय दिया है। उनकी साफ छवि, दूरदर्शिता और युवाओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण को देखते हुए उन्हें शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी मिलने से देश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिल सकती है।

इंदरजीत सिंह टीटू ने कहा कि आज देश के युवा ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहते हैं, जो उन्हें केवल डिग्री तक सीमित न रखे, बल्कि रोजगार, कौशल विकास, तकनीकी दक्षता और आत्मनिर्भरता के अवसर भी उपलब्ध कराए।

चौधरी जयंत सिंह के पास कौशल विकास के क्षेत्र का अनुभव है, इसलिए शिक्षा और कौशल विकास के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में वे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि इस सुझाव पर गंभीरता से विचार करते हुए मंत्रिपरिषद में चर्चा की जाए और देश के युवाओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए चौधरी जयंत सिंह को केंद्रीय शिक्षा मंत्री बनाए जाने पर विचार किया जाए।

इंदरजीत सिंह टीटू ने विश्वास जताया कि यदि चौधरी जयंत सिंह को शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी जाती है तो वे अपनी कार्यक्षमता, अनुभव और साफ छवि के बल पर देश के युवाओं की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे तथा शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान करेंगे।

ऑपरेशन प्रहार का एक और वार: 21 किलो गांजा तस्करी का फरार आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत 21 किलो 20 ग्राम गांजा बरामदगी मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी दीपक कश्यप उर्फ भज्जी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को मुखबिर की सूचना पर बिहारीपुरा स्थित शनि चौक से दबोचा गया। 12 जुलाई 2026 को पुलिस ने इसी मामले में चार आरोपियों– प्रसन्नजीत राय, बुद्धेश्वर नमोदास, सुनील दीगल और पीयूष दीगल–को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 21 किलो 20 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया था। इसके बाद एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20/29 के तहत मुकदमा दर्ज कर चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया था।

पुलिस के मुताबिक, इस मामले में दीपक कश्यप उर्फ भज्जी फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए गठित पुलिस टीम ने 24 जुलाई को कार्रवाई करते हुए उसे शनि चौक, बिहारीपुरा से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

महिलाओं की समस्याओं पर सख्त हुईं राज्य महिला आयोग सदस्य, जनसुनवाई के बाद सीएचसी मुरादनगर का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. हिमानी अग्रवाल ने शनिवार को मोदीनगर तहसील सभागार में जनसुनवाई कर महिलाओं एवं आम नागरिकों की शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई में घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, किरायेदारों से संबंधित मामलों और पुलिस कार्रवाई न होने सहित 17 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान एसडीएम मोदीनगर काजल पवार, तहसीलदार प्रशांत कुमार, एसीपी महिला क्राइम सुचिता सिंह, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी लोकेन्द्र सिंह, वन स्टॉप सेंटर प्रबंधक दीपाली, बाल विकास परियोजना अधिकारी शिवानी गुप्ता, पैनल अधिवक्ता संगीता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इसके बाद डॉ. हिमानी अग्रवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मुरादनगर का निरीक्षण किया। उन्होंने जनरल ओपीडी, लेबर रूम, दंत विभाग, आयुष्मान मित्र कक्ष, अल्ट्रासाउंड एवं एक्स-रे कक्ष का जायजा लेकर मरीजों से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टीबी के 10 मरीजों को पोषण पोटली वितरित की तथा नवजात बेटी के पिता को बेबी किट भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सीएचसी प्रभारी डॉ. भारत भूषण, डॉ. राकेश, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. पायल सिरोही, डॉ. आकांक्षा राज, डॉ. स्वाति खोकर सहित अन्य चिकित्सक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस सख्त, डीजे की मनमानी पर लगेगी रोक

शिविरों में सीसीटीवी, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश; एसीपी ने आयोजकों संग की बैठक

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी श्रीमती प्रियाश्री पाल ने थाना वेव सिटी और क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के कांवड़ मित्रों, शिविर संचालकों एवं डीजे ऑपरेटरों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए।

एसीपी ने कांवड़ मित्रों से अपील की कि कांवड़ियों की सहायता के दौरान पुलिस के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखें, जिससे यात्रा के दौरान किसी भी समस्या का तत्काल समाधान किया जा सके।

शिविर आयोजकों को साफ-सफाई, पेयजल, प्राथमिक उपचार और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। सुरक्षा के लिए शिविरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने को भी कहा गया।

वहीं डीजे संचालकों को सख्त चेतावनी दी गई कि डीजे की ऊंचाई 10 फीट से अधिक नहीं होनी चाहिए। निर्धारित ध्वनि सीमा का पालन करते हुए मर्यादित संगीत ही बजाया जाए। रात के समय तेज आवाज वाले संगीत से आम लोगों को परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सभी के सहयोग से कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुचारू और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जाएगा।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों पर डीएम सख्त, 28 जुलाई तक सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा-2026 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने शनिवार को मेरठ तिराहा स्थित कांवड़ कंट्रोल रूम और प्रमुख कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 28 जुलाई से पहले सभी तैयारियां हर हाल में पूरी कर ली जाएं। किसी भी विभाग की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने मेरठ तिराहा स्थित कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और इसके बाद कादराबाद क्षेत्र, गंग नहर तथा पाइपलाइन मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, जिला पंचायत राज, सिंचाई विभाग समेत संबंधित विभागों को क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने और सभी लंबित कार्य समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विद्युत विभाग को कांवड़ मार्ग पर बिजली के खंभों की कवरिंग, झुकी और जर्जर विद्युत लाइनों को सुरक्षित करने तथा वन विभाग को मार्ग किनारे उगी झाड़ियों और अवरोधों को हटाने के निर्देश दिए गए। साथ ही पूरे कांवड़ मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त लाइटें लगाने के आदेश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ गुणवत्ता पूर्ण तरीके से समयबद्ध कार्य पूरा करें। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), अपर जिलाधिकारी (नगर), अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पार्किंग को लेकर बवाल: प्रताप विहार में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के थाना खोड़ा क्षेत्र अंतर्गत प्रताप विहार में गाड़ी खड़ी करने को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर मारपीट हुई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, वहीं घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही थाना खोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ की तथा घटना के संबंध में आवश्यक साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए। प्रारंभिक जांच के आधार पर इरशाद पक्ष और वसीम पक्ष के बीच विवाद की पुष्टि हुई है। पुलिस के अनुसार मामले में थाना खोड़ा पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना के बाद इरशाद और शादाब को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान तथा अन्य तथ्यों के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पुलिस ने यह भी बताया कि क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है। मामले से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की

अवैध निमार्णों पर चला जीडीए का बुलडोजर, शाहपुर बम्हैटा में 6000 वर्ग मीटर क्षेत्र में कार्रवाई

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अवैध निमार्णों और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की कार्रवाई लगातार जारी है। उपाध्यक्ष के निर्देश पर शनिवार को प्रवर्तन जोन-5 की टीम ने शाहपुर बम्हैटा क्षेत्र में अवैध निमार्णों को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार, आदित्य वर्ल्ड सिटी मार्ग स्थित ग्राम शाहपुर बम्हैटा में खसरा संख्या-1898 के गंदे नाले के पास करीब 5000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनी अवैध बाउंड्रीवाल के अंदर लगभग 200 वर्ग मीटर क्षेत्र में लोहे के पाइप खड़े कर टीन शेड और एक कमरे का निर्माण किया गया था। वहीं अर्बन होम के पीछे करीब 1000 वर्ग मीटर क्षेत्र में चिकन प्वाइंट की दुकानों और वेयर हाउस का अवैध निर्माण किया जा रहा था। ध्वस्तीकरण आदेश के अनुपालन में जीडीए प्रवर्तन टीम ने दोनों स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध निमार्णों को गिरा दिया। कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानीय निर्माणकताओं ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित कर अभियान जारी रखा। जीडीए टीम ने मौके पर बनी सड़क, बाउंड्रीवाल, साइट ऑफिस सहित अन्य अवैध निमार्णों को भी ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-5 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते के अधिकारी मौजूद रहे। जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। आने वाले दिनों में भी अवैध निमार्णों पर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

नशे के सौदागरों पर नंदग्राम पुलिस का शिकंजा, 119 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना नंदग्राम पुलिस और एएनटीएफ मेरठ की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 119 किलोग्राम अवैध गांजा और तस्करी में प्रयुक्त दो कारें बरामद की हैं।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनीश कुमार और गुड्डू उर्फ अंकित के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर चमन कॉलोनी स्थित चौधरी पार्किंग के पास खाली प्लॉट से गिरफ्तार किया गया।

मौके से पुलिस ने टाटा हैरियर (वढ17द1122) और बलेनो कार (उछ93अढ0848) भी बरामद की। बरामदगी के आधार पर थाना नंदग्राम में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20/29/60 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर गांजा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों ने बताया कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ ऑपरेशन प्रहार के तहत अभियान लगातार जारी रहेगा।